MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 30 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-268

लिंग कटा था!

प्रेमानंद शिष्य आत्म'हत्या'?

मथुरा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण उर्फ दीपक लोधी (25) की आत्महत्या के मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन मामले में जताई गई आशंकाओं और सभी कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहनता से जांच कर रहा है।

मामले में क्षेत्राधिकारी (सीओ) वृंदावन संजीव कुमार ने बताया कि शुरुआती तौर पर यह मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत होता है। सीसीटीवी फुटेज की शुरुआती जांच से यह स्पष्ट होता है कि दीपक लोधी ने छत से कूदकर आत्महत्या की है। हालांकि, परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस फॉरेंसिक टीम, सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ उनके साथियों से पूछताछ कर हर पहलू की जांच कर रही है। सीओ संजीव कुमार ने बताया कि जिस कमरे में रसिक दुलारी शरण रहते थे, वहां जांच के दौरान एक इलेक्ट्रिक ग्राइंडर (कटिंग मशीन) बरामद हुआ है। जांच में उनके निजी अंग पर चोट और उसके अलग होने के तथ्य भी सामने आए हैं।पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या उन्होंने छत से कूदने से पहले खुद को ग्राइंडर से क्षति पहुंचाई थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। पूरी स्थिति फॉरेंसिक जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। मृतक का अंतिम संस्कार परिजनों की मौजूदगी में वृंदावन में ही कर दिया गया है।

पोस्टमार्टम से सामने आई मौत की वजह

मृतक दीपक कुमार पुत्र चेतराम लोधी का पोस्टमार्टम मथुरा में किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, मौत की मुख्य वजह अत्यधिक रक्तस्राव के कारण लगा आघातजनित सदमा बताई गई है।

शरीर पर चोटें: सिर पर 14 टांकों का घाव, निचले होंठ और ठुड्डी पर गहरे कट, टखने की हड्डी टूटना तथा निजी अंग के जड़ वाले हिस्से पर पांच टांकों के निशान पाए गए।

आंतरिक जांच: खोपड़ी के पीछे हेयरलाइन फ्रैक्चर और खून का थक्का मिला। छाती की बाईं ओर पांचवीं से आठवीं तक की पसलियां टूटी हुई पाई गईं और बायां फेफड़ा फटा हुआ था।

निजी अंग की स्थिति: पोस्टमार्टम जांच में शरीर का निजी अंग शरीर से अलग पाया गया।

हर बिंदु पर हो रही निष्पक्ष जांच

सीओ वृंदावन ने स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं कर रहा है।

परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और आश्रम के लोगों से भी पूछताछ जारी है, ताकि इस दुखद घटना के पीछे की सही वजह का पता लगाया जा सके।

साधु- संत समाज में रोष, उच्च स्तरीय जांच की मांग

वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक प्रेमानंद महाराज के शिष्य की मौत का मामला अब रहस्य बनता जा रहा है। दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण ने शुक्रवार सुबह गुरुकृपा कुंज आश्रम की चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। दीपक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके निजी अंग के अलग होने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत होने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस को मृतक के कमरे से एक ग्राइंडर भी बरामद हुआ। घटना के बाद वृंदावन के साधु-संतों में रोष देखा जा रहा है। परिक्रमा मार्ग स्थित ललित कुंज आश्रम में धर्म रक्षा संघ के बैनर तले साधु-संतों की बैठक हुई, जिसमें मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की गई।

धर्म रक्षा संघ की बैठक में महंत गंगादास जी महाराज ने कहा, उस महात्मा के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार हुआ है। यह काम किसी भले आदमी ने नहीं, बल्कि आतंकवादी जैसी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति ने ही किया है। इसलिए घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केली कुंज में इस प्रकार की घटनाएं पहले भी होती रही हैं। लोगों की जमीनों पर कब्जा और माफियागिरी जैसे मामले भी पहले सामने आए हैं।

मथुरा के महंत मोहिनी शरण महाराज ने कहा, युवा साधु की मौत का हमें बहुत दुख है।

▶8पर

क़ीमत 10 गुना बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नरसंहारक दवा!

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों द्वारा कैंसर की दवाओं की कीमत 10 गुना तक बढ़ाए जाने पर गहरी चिंता जताते हुए इसे कत्लेआम करार दिया और सभी दवाओं पर एक समान 16 प्रतिशत मार्जिन की वकालत की। मंगलवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि वह अस्पतालों द्वारा मरीजों को अपने ही केमिस्ट से दवाएं खरीदने के लिए मजबूर करने के मामले पर गौर करे। कोर्ट ने कहा कि इस व्यवस्था का खामियाजा आम आदमी को भुगतना पड़ता है। यह कत्लेआम है। बिल्कुल साफ बात है। कैंसर की दवा खुदरा विक्रेताओं को 2,700 रुपये में सप्लाई की जाती है, लेकिन उसकी अधिकतम खुदरा कीमत 27,000 रुपये रखी जाती है। पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, कॉर्पोरेट अस्पताल किसी को नहीं बख्शते। वे तो शव तक को बाहर नहीं ले जाने देते। फार्मा क्षेत्र को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

सुप्रीम कोर्ट दवाओं की कीमतों के नियमन, जेनेरिक दवाओं के चिकित्सकीय पर्चे और चिकित्सा उपकरणों पर नियंत्रण से जुड़ी याचिकाओं पर दवाएं (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के तहत सुनवाई कर रहा था।

रिटेलर ने 2,700 में खरीदा और 27,000 में बेचा

शुरुआत में ही न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि उन्हें इसका कोई समाधान निकालना होगा और कुछ संतुलन बनाना होगा।

न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, यह अंतर क्यों? जरूरी या गैर-जरूरी होने से क्या फर्क पड़ता है? क्यों न हर चीज की अधिकतम खुदरा कीमत पर 16 प्रतिशत का मार्जिन रखा जाए?

उन्होंने कहा, सोचिए क्या होता है। आखिरकार इसका नतीजा यह होता है कि करदाताओं को नुकसान उठाना पड़ता है। कॉर्पोरेट अस्पतालों में कैंसर की एक जरूरी दवा की अधिकतम खुदरा कीमत 27,000 रुपये थी, जबकि खुदरा विक्रेता के लिए इसकी कीमत 2,700 रुपये थी। जरा अंतर तो देखिए।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उन्हें इस मामले पर अधिकारियों के साथ चर्चा करने की जरूरत है और वे इस बात से सहमत थे कि इस मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत है।

सबके लिए एक जैसे नियम क्यों नहीं?

न्यायमूर्ति मेहता ने आगे कहा कि सरकार को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि कई कॉर्पोरेट अस्पताल यह जरूरी कर देते हैं कि दवाइयां उन्हीं के केमिस्ट या किसी खास फार्मेसी से खरीदी जाएं। अगर मरीज उन्हें बाहर से खरीदता है तो वे इलाज की गारंटी नहीं देते। ▶8पर

ट्रैफिक चालान 'शॉक'

बिजली बिल में जोड़कर वसूली हो

राज्य	बकाया राशि (करोड़ रु. में)
उत्तर प्रदेश	11,331.55
दिल्ली	11,076.09
हरियाणा	2,620.53
राजस्थान	2,066.92
गुजरात	1,607.64
महाराष्ट्र	1,252.73
मध्य प्रदेश	262.38

(2021 से 30 जुलाई 2026 तक आंकड़े)

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। देश में यातायात ई-चालान की कमजोर वसूली पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि केवल चालान जारी करना पर्याप्त नहीं है, जुर्माने की वसूली भी जरूरी है। अदालत ने सुझाव दिया कि बकाया चालान की राशि बिजली बिल में जोड़कर वसूली का तरीका निकाला जा सकता है। यदि बिजली बिल का भुगतान नहीं किया जाता है तो कनेक्शन काट दिया जाता है, उसी तरह बकाया चालान की वसूली के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।कोर्ट को बताया गया कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में करीब 45 हजार करोड़ रुपये के ई-चालान जारी किए गए हैं। इनमें से करीब 25 हजार करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है, ▶8पर

साथियों को भूना!

सहायक कमांडेंट समेत 4 जवानों की मौत

जम्मू, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के बसोली स्थित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के शिविर में 2009 बैच के एक हेड कॉन्स्टेबल अबदेश कुमार ने अपने साथी जवानों पर फायरिंग कर दी, जिसमें चार जवानों की मौत हो गई। घटना की वजह और परिस्थितियों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। सीआईएसएफ मुख्यालय ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं और महानिदेशक, सीआईएसएफ पूरी घटना की निगरानी कर रहे हैं।

शुरुआती तौर पर घटना को आपसी गोलीबारी के रूप में देखा जा रहा था। कठुआ जिला पुलिस की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है।

चार मृतकों में सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ड्यूटी बदलने के समय जवानों के बीच बहस हुई, जिसके बाद हेड कॉन्स्टेबल ने अपने ही सहकर्मियों पर फायरिंग कर दी। मृतक जवानों की पहचान सहायक कमांडेंट अंकित कुमार पांडे (कंपनी कमांडर), सब-इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल संजीव कुमार और कॉन्स्टेबल मोहम्मद रफीक के रूप में हुई है। ▶8पर

केजरी अपील खारिज, जुर्माना बरकरार

मोदी डिग्री 'पास'

अहमदाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े करीब 10 साल पुराने मामले में आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की अपील खारिज कर दी। अदालत ने केजरीवाल पर लगाए गए 25 हजार रुपये के जुर्माने को भी बरकरार रखा। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि एकल पीठ के 2023 के फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है।

मार्च 2016 में केजरीवाल ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को पत्र लिखकर मांग की थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री सार्वजनिक की जानी चाहिए। अप्रैल 2016 में तत्कालीन केंद्रीय सूचना आयुक्त एम. श्रीधर आचार्युलु ने दिल्ली विश्वविद्यालय और गुजरात विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री मोदी की शैक्षणिक योग्यता से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। गुजरात विश्वविद्यालय ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश को गुजरात हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

इसके बाद गुजरात हाई कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश को रद्द कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ केजरीवाल ने अदालत में याचिका दायर की थी। 31 मार्च 2023 को हाई कोर्ट की एकल पीठ ने केंद्रीय सूचना आयोग के निर्देश को रद्द करने के साथ केजरीवाल पर 25 हजार रुपये की लागत लगाई थी। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट की खंडपीठ में अपील दायर की थी। मंगलवार को खंडपीठ ने यह अपील खारिज कर दी।

अपील की सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 21^0

मौलवी को उम्रकैद : 13 वर्षीय बच्चे का यौन शोषण मामला

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में 13 वर्षीय बच्चे के यौन शोषण के मामले में अदालत ने मदरसा शिक्षक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। रंगा रेड्डी जिले की फास्ट ट्रैक अदालत ने 30 वर्षीय मोहम्मद मुनव्वर हुसैन को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। आरोपी मामिडिपल्ली स्थित मदरसा इस्लामिया काशिफुल उलूम में शिक्षक था। मामला पहाड़ी शरीफ पुलिस थाने में दर्ज किया गया था।

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अदालत ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की धारा 351(2) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 यानी पोक्सो अधिनियम की धाराओं 5(एफ)(एल) और 6 के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने उम्रकैद की सजा के साथ आरोपी पर 25,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा पीड़ित बच्चे को 2 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया।

यह फैसला रंगा रेड्डी जिले के एलबी नगर स्थित फास्ट ट्रैक विशेष अदालत में सुनाया गया। यह अदालत दुष्कर्म और पोक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों की सुनवाई और निपटारे के लिए बनाई गई है। अदालत ने सोमवार, 29 सितंबर को मामले में अपना फैसला सुनाते हुए मोहम्मद मुनव्वर हुसैन को दोषी करार दिया। यह मामला एससी नंबर 210/2025 के तौर पर अदालत में चला। पुलिस के मुताबिक, मामला अपराध संख्या 09/2025 के तहत पहाड़ी शरीफ पुलिस थाने में दर्ज किया गया था।

मदरसा में पढ़ता था 13 वर्षीय बच्चा

पुलिस के मुताबिक, 13 वर्षीय पीड़ित बच्चा मदरसे में पढ़ता था। 26 दिसंबर 2024 को उसकी तबीयत खराब होने के बाद उसे घर लाया गया था। इसके अगले दिन यानी 27 दिसंबर को बच्चे की चिकित्सकीय जांच कराई गई। पुलिस के मुताबिक, डॉक्टरों ने उसके निजी अंगों में गंभीर संक्रमण पाया। चिकित्सकीय जांच के बाद मामले को लेकर परिवार की चिंता बढ़ी। पुलिस के अनुसार, इसके कुछ दिन बाद बच्चे ने अपनी मां को घटना के बारे में बताया। पुलिस के मुताबिक, बच्चे ने 1 जनवरी 2025 को अपनी मां को बताया कि 25 दिसंबर 2024 को उसके साथ मदरसा शिक्षक मोहम्मद मुनव्वर हुसैन ने कथित तौर पर यौन शोषण किया था। बच्चे की ओर से दी गई जानकारी के बाद परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। ▶8पर

नीला ड्रम कांड : मुस्कान-साहिल को फाँसी?

मेरठ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ के ब्रह्मपुरी क्षेत्र के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में बुधवार, 30 सितंबर को जिला जज की अदालत फैसला सुनाएगी। अदालत पहले यह तय करेगी कि मर्चेंट नेवी अधिकारी सौरभ राजपूत की हत्या के आरोपी मुस्कान और साहिल दोषी हैं या नहीं। यदि दोनों दोषी पाए जाते हैं तो इसके बाद सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी।

मामले में 17 सितंबर को अंतिम बहस पूरी हो चुकी है। अभियोजन पक्ष ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और मामले से जुड़े तथ्यों के आधार पर दोनों आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग की है। अभियोजन की ओर से हत्या से पहले और हत्या के बाद की गई कथित तैयारियों को भी अदालत के सामने रखा गया। इनमें नशीली दवाओं, चाकू, नीले ड्रम, सीमेंट और रेत की खरीद से जुड़े साक्ष्य शामिल हैं। सौरभ के परिवार की ओर से मुकदमा लड़ रहे अधिवक्ता विजय बहादुर ने बताया कि वादी पक्ष की ओर से 22 गवाह पेश किए गए। इनमें सौरभ का भाई बबलू, उसकी मां और सौरभ

का दोस्त शामिल हैं। इसके अलावा ड्रम, दवाइयां, चाकू, सीमेंट आदि खरीदने से जुड़े दुकानदारों की भी गवाही कराई गई। हत्या के बाद आरोपी जहां घूमने गए थे, वहां से जुड़े साक्ष्य भी अदालत के सामने रखे गए हैं। अधिवक्ता के मुताबिक अभियोजन पक्ष ने अदालत में यह तर्क रखा कि हत्या से पहले नशीली दवा और चाकू की व्यवस्था की गई, जबकि हत्या के बाद शव को छिपाने के लिए ड्रम, सीमेंट और रेत की व्यवस्था की गई। उनका कहना है कि शव को ड्रम में भरकर सीमेंट से सील करने और उसे कहीं और ले जाकर ठिकाने लगाने की योजना थी, लेकिन उससे पहले ही मामला सामने आ गया। ▶8पर

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को दिया झटका, परमाणु ईंधन की सप्लाई रोकी,एयरस्पेस क्लियरेंस से कर दिया इनकार

इस्लामाबाद

बांग्लादेश के रूपपुर न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए परमाणु ईंधन (न्यूक्लियर फ्यूल) की आपूर्ति में बाधा आ गई है। पाकिस्तान ने एयरस्पेस क्लियरेंस देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण प्लांट की यूनिट-2 के लिए यूरेनियम लेकर आने वाला कार्गो विमान बांग्लादेश नहीं पहुंच सका। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब बांग्लादेश ने अतीत में पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को लेकर कई बार भारत से दूरी बनाई थी, जिससे अब उसे उसी पाकिस्तान से एक बड़ा झटका मिला है।

बांग्लादेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फकीर महबूब अनाम ने पुष्टि की कि यूरेनियम लेकर आने वाले कार्गो विमान को 24 सितंबर को बांग्लादेश पहुंचना था। हालांकि, विमान को पाकिस्तानी एयरस्पेस इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं मिली और इसी वजह से यूरेनियम तय समय पर बांग्लादेश नहीं पहुंच सका। मंत्री ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से एयरस्पेस क्लियरेंस न मिलने की सही वजह अभी तक स्पष्ट नहीं है। रूस की ओर से अब इस खेप के अक्टूबर के पहले सप्ताह में बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद जताई गई है। बांग्लादेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव शेख मोहम्मद तौहिदुल इस्लाम ने भी इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर यूरेनियम की खेप प्राप्त करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं और अधिकारी विमान का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रूस की रोसाटाम के संपर्क अधिकारी ने उन्हें सूचित किया कि एयरस्पेस क्लियर न होने के कारण यूरेनियम को भेजना संभव नहीं हो सका और अब इसे फिर से शेड्यूल करना पड़ सकता है। अधिकारी यह भी स्पष्ट नहीं कर सके कि किस देश ने एयरस्पेस को ब्लाक किया था।

रूपपुर न्यूक्लियर पावर प्लांट बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। इसका निर्माण रूस की स्टेट एटामिक एनर्जी कारपोरेशन रोसाटाम की तकनीकी मदद से किया जा रहा है और इसकी निगरानी बांग्लादेश एटामिक एनर्जी कमीशन कर रहा है। यह प्लांट बांग्लादेश के पाबना जिले के ईश्वरडी उपजिला के पाकशी यूनियन में पद्मा नदी के किनारे रूपपुर गांव में बनाया जा रहा है। परियोजना में तीसरी पीढ़ी के दो रिएक्टर यूनिट बनाए जा रहे हैं। दोनों यूनिट की कुल क्षमता 2,400 मेगावाट बेसलोड बिजली उत्पादन की होगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि रूपपुर न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट-1 के लिए लो-एनरिच्ड यूरेनियम फ्यूल की पहली खेप रूस से बांग्लादेश पहले ही पहुंच चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने कतर के मध्यस्थों के जरिए अमेरिका से अप्रत्यक्ष बातचीत की

न्यूयार्क। ईरान ने कतर के मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका से अप्रत्यक्ष बातचीत की है। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने सोमवार (स्थानीय समय) पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने यह वार्ता न्यूयार्क में की गई। उन्हें वाशिंगटन से आधिकारिक जवाब की प्रतीक्षा है। उत्तर कल तक मिलने की उम्मीद है है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अरागची ने कहा कि पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान उनकी यात्रा का मुख्य मकसद क्षेत्रीय तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा की गंभीर स्थिति पर ईरान का पक्ष रखना था। उन्होंने दोहराया कि ईरान ने संकट को सुलझाने और महत्वपूर्ण जल मार्ग को फिर से खोलने के लिए एक प्रभावी सशर्त योजना सामने रखी है। उन्होंने कहा, कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए ऐसी बातचीत और संदेशों का आदान-प्रदान हमेशा से होता रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि अमेरिकी अधिकारियों ने सोमवार को ईरान के मामले में मध्यस्थों के साथ बातचीत की। ट्रंप ने ओवल आफिस में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी नहीं दी। सनद रहे पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में अरागची ने सात दिन का एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसके तहत अगर वाशिंगटन कुछ शर्तें पूरी करता है तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने रविवार को कहा कि वाशिंगटन ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। अरागची ने प्रस्ताव के बारे में कहा कि वाल्ट्ज ने योजना देखी ही नहीं । उन्होंने कहा कि तेहरान कूटनीति के लिए तैयार है, साथ ही नए सिरे से संघर्ष की संभावना के लिए भी तैयारी कर रहा है।

भारतीय मूल के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का नाम अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की टाप 10 मोस्ट वान्टेड लिस्ट में, 10 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने भारतीय मूल के कुख्यात अपराधी (गैंगस्टर) सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर शिकंजा कसा है। एफबीआई ने गोल्डी को अपनी दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों (टाप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़ों) की सूची में शामिल करते हुए 10 करोड़ रुपये (10 लाख डालर) का इनाम घोषित किया है। एफबीआई ने अपनी वेबसाइट के अलावा एक्स हैंडल पर सोमवार को यह जानकारी साझा की। इसमें कहा गया कि उसकी गिरफ्तारी या सुराग देने वाले को इनाम की यह राशि प्रदान की जाएगी। एफबीआई के अनुसार, गोल्डी बराड़ उत्तरी अमेरिका के संगठित अपराधी समूह के सरगना लारेंस बिश्नोई के इशारे पर अपराधों को अंजाम देता है। अमेरिकी जांच एजेंसी के अनुसार, यह गिरोह दक्षिणी कैलिफोर्निया के साथ-साथ पूरे अमेरिका और कनाडा में टारगेटेड किलिंग, राजनीतिक व धार्मिक हस्तियों पर हमलों, गोलीबारी, अपहरण, रंगदारी और मादक पदार्थों तथा हथियारों की तस्करी जैसे कई गंभीर अपराधों में शामिल है। कैलिफोर्निया की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट संघीय अदालत ने पहली जुलाई को सतिंदरजीत सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

जिनपिंग से पूछ बैठे ट्रंप- क्या थाड और एफ-35 खरीदोगे

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के हालिया अमेरिका दौरे को लेकर एक दिलचस्प और हैरान करने वाला खुलासा सामने आया है।

चीन में तैनात अमेरिकी राजदूत डेविड परड्यू ने एक साक्षात्कार के दौरान बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान चीन के राष्ट्रपति के सामने एक अजीब प्रस्ताव रखा था। ट्रंप ने बैठक में अचानक शी जिनपिंग से पूछ लिया कि क्या चीन अमेरिका से हथियार खरीदना चाहेगा। कूटनीतिक हलकों में यह सवाल इसलिए बेहद चौंकाने वाला माना जा रहा है क्योंकि अमेरिका पारंपरिक रूप से चीन के कड़े प्रतिद्वंद्वी ताइवान को लगातार अत्याधुनिक हथियार बेचता रहा है, जिसे बीजिंग अपना हिस्सा मानता है। परड्यू के मुताबिक, इस बैठक के दौरान ट्रंप ने ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री का जिक्र करते हुए इसे दुनिया के अन्य देशों के साथ होने वाली एक सामान्य रक्षा डील की तरह पेश किया था। इसी बातचीत के सिलसिले में उन्होंने मजाकिया अंदाज में चीनी राष्ट्रपति के सामने अमेरिकी रक्षा उपकरण खरीदने का यह सवाल दागा। हालांकि इसे एक हल्के-फुल्के और मजाकिया लहजे में पूछा गया था, लेकिन इस अप्रत्याशित सवाल ने कुछ पलों के लिए शी जिनपिंग को भी अचंभित कर दिया होगा।

जहाजों की आवाजाही के लिए चीन ने खोली पिंगलू नहर

बीजिंग

चीन ने 134 किलोमीटर लंबी पिंगलू नहर को जहाजों की आवाजाही के लिए खोल दिया है। यह नहर देश के दक्षिण-पश्चिमी अंदरूनी इलाकों को सीधे समुद्र से जोड़ती है। इसके जरिए चीन के अंदरूनी क्षेत्रों से दक्षिण-पूर्व एशिया और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक माल पहुंचाने का रास्ता छोटा होने की उम्मीद है। इसी वजह से इसकी तुलना कई बार मिस्र की स्वेज नहर से की जा रही है। दक्षिणी चीन के गुआंग्शी क्षेत्र में बनी करीब 134.2 किलोमीटर लंबी पिंगलू नहर उत्तर में शिजियांग नदी के जल तंत्र को दक्षिण में बेइबू खाड़ी से जोड़ती है। इसे 1949 के बाद चीन का राष्ट्रीय स्तर पर नियोजित पहला बड़ा नदी-से-समुद्र जलमार्ग परियोजना बताया गया है। करीब 5 हजार टन तक के जहाजों के लिए डिजाइन की गई इस नहर के जरिए दक्षिण-पश्चिम चीन से समुद्र तक माल पहुंचाने की दूरी पारंपरिक मार्ग की तुलना में लगभग 560 किलोमीटर कम हो सकती है। इस परियोजना का निर्माण आसान नहीं था। नहर के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच पानी के स्तर में करीब 65 मीटर का अंतर है। जहाजों को इस ऊंचाई के अंतर से निकालने के लिए मादाओ, किशी और छिंगनियान में तीन बड़े नेविगेशन हब बनाए गए हैं। यहां शिप लाक की मदद से पानी का स्तर नियंत्रित किया जाता है। जहाज एक लाक में प्रवेश करता है और पानी का स्तर बढ़ाकर या घटाकर उसे अगले स्तर तक पहुंचाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, पिंगलू नहर के निर्माण पर करीब 72.7 अरब युआन यानी लगभग 10.8 अरब डालर खर्च हुए हैं। इसका निर्माण अगस्त 2022 में शुरू हुआ था। चीन को उम्मीद है कि नया जलमार्ग दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों के लिए समुद्री व्यापार की पहुंच आसान करेगा। पारंपरिक रास्ते की तुलना में दूरी घटने से लाजिस्टिक्स लागत में करीब 18 से 30 प्रतिशत तक कमी आने का अनुमान है। परिवहन लागत में हर साल 5 अरब युआन से अधिक की बचत होने की भी उम्मीद जताई गई है। इस नहर से युन्नान, गुइझोउ और चीन के अन्य दक्षिण-पश्चिमी इलाकों को समुद्री व्यापार से जोड़ने में मदद मिल सकती है। यह चीन के न्यू इंटरनेशनल लैंड-सी ट्रेड कारिडोर का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चीन के अंदरूनी क्षेत्रों को आसियान देशों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना है। हालांकि पिंगलू नहर को स्वेज नहर की हूबहू प्रतिकृति नहीं कहा जा सकता। स्वेज नहर मिस्र में भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ती है और समुद्री जहाजों के लिए यूरोप-एशिया मार्ग को छोटा करती है।

चीन में मिला अलग तरह का डायनासोर, विशाल पंजे और शरीर पर पंखे होने के संकेत मिले, यह मांसाहारी नहीं था, दांत आकार में छोटे जो वनस्पतियों को काटने और चबाने में सक्षम थे

बीजिंग। चीन में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे डायनासोर के कंकाल की खोज की है, जिसकी शारीरिक बनावट और जबड़े की संरचना ने पेलियोन्टोलाजिस्ट्स का ध्यान खींचा है। शोधकर्ताओं ने इस नई प्रजाति का नाम कायरासारस चैंगलिएन्सिस रखा है। यह अर्ली क्रिटेशियस काल में रहने वाला थेरिज़िनोसार था। इसका जीवाश्म पश्चिमी लियाओनिंग के यिक्सियन फार्मेशन से मिला है। इसकी लंबाई करीब 3.6 मीटर यानी 11.8 फीट आंकी गई है, जो जेहोल बायोटा क्षेत्र में अब तक मिले थेरिज़िनोसार में सबसे बड़ा रिकार्ड है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कायरासारस दो पैरों पर सीधा खड़ा होकर चलता था। शोध के मुताबिक इसके शरीर पर पंख होने के संकेत मिले हैं। भारी शरीर, बाहर निकला हुआ पेट, लंबी गर्दन और आगे की ओर मौजूद बड़े पंजों के कारण इसका हुलिया किसी विशाल पंखों वाले भालू जैसा रहा होगा। हालांकि डरावने पंजों के बावजूद यह मांसाहारी नहीं था। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह वनस्पति खाने वाला जीव था। इस जीव की सबसे खास विशेषताओं में उसका जबड़ा है। शोध के मुताबिक इसके ऊपरी जबड़े में 32 से ज्यादा और निचले जबड़े में 45 से ज्यादा दांत थे। संख्या में ज्यादा होने के बावजूद ये दांत आकार में बेहद छोटे थे और एक-दूसरे के काफी करीब थे। इसके थूथन के पास ऊपरी जबड़े में एक बड़ा छेद भी पाया गया है। नाक की हड्डी आंखों के गड्ढों तक फैली हुई थी और आगे जाकर दो हिस्सों में विभाजित होती थी। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस तरह की जबड़े की संरचना पहले किसी अन्य थेरिज़िनोसार में दर्ज नहीं की गई थी। वैज्ञानिकों ने कायरासारस का वजन करीब 117 से 274 किलोग्राम के बीच होने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक कंकाल पूरी तरह वयस्क जीव का नहीं था, इसलिए पूर्ण विकसित अवस्था में इसका वजन इससे ज्यादा रहा होगा। शोध में इसे जेहोल बायोटा का अब तक का सबसे बड़ा थेरिज़िनोसार बताया गया है। इससे पहले इस क्षेत्र में आकार के मामले में बेइपियाओसारस का रिकार्ड था। कायरासारस उससे कम से कम 1.6 गुना बड़ा था। शोधकर्ताओं ने इसकी तुलना जेहोल बायोटा में रहने वाले अन्य थेरिज़िनोसार से भी की है। जियानचांगोसारस जैसे अपेक्षाकृत पतले शरीर वाले जीव तेज गति से दौड़ने के लिए ज्यादा अनुकूल माने जाते हैं, जबकि कायरासारस और बेइपियाओसारस भारी शरीर वाले थे। उनके जबड़ों की बनावट से संकेत मिलता है कि वे वनस्पतियों को काटने और चबाने में सक्षम थे। कायरासारस की गर्दन की हड्डियां भी उसकी पीठ की हड्डियों की तुलना में काफी लंबी थीं।

ट्रंप की 100 प्रतिशत टैरिफ की बात टली, भारत सहित 20 देशों को छूट

वाशिंगटन

अमेरिका ने भारत सहित 20 देशों से आयात की जाने वाली कुछ विशेष दवाओं और उनके अवयवों पर मूल्यानुसार शुल्क से छूट देने का विचार किया है। यह कदम डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की उस पूर्व घोषणा से उलट है, जिसमें उसने दवाओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही थी। इस छूट से भारतीय दवा कंपनियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, खासकर उन दवाओं के मामले में जिनका उपयोग दुर्लभ बीमारियों के इलाज में होता है।

पूर्व में, अमेरिका ने भारत समेत कई देशों से आयातित उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही थी। हालांकि, ऐसे ऊंचे टैरिफ से न केवल निर्यात करने वाले देशों को बल्कि अमेरिका के अपने नागरिकों को भी महंगाई का सामना करना पड़ता है। दवाइयों के क्षेत्र में भी यह चिंता बनी हुई थी, जहां डोनाल्ड ट्रंप ने कड़े शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था। विश्व सीमा शुल्क संगठन के मुताबिक, मूल्यानुसार शुल्क, कर योग्य वस्तुओं के मौद्रिक मूल्य का एक निश्चित प्रतिशत होता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने फेडरल रजिस्टर में उन देशों की सूची प्रकाशित की है, जिन्हें यह छूट मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को पेटेंट प्राप्त दवाओं, बायोलाजिक्स और उनसे संबंधित अवयवों के आयात पर शुल्क लगाने के संबंध में एक घोषणापत्र जारी किया था, जिसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना था। शून्य प्रतिशत शुल्क दर के लिए पात्र उत्पादों में दुर्लभ बीमारियों की सभी दवाएं, बांझपन उपचार, सेल थेरेपी, जीन थेरेपी, एंटीबाडी-ड्रग कंजुगेट्स (एडीसी) और पशु औषधियां शामिल हैं। इन दवाओं में इस्तेमाल होने वाले अवयव भी शून्य प्रतिशत शुल्क दर के दायरे में आएंगे। भारत के अलावा, इस शून्य शुल्क दर वाली श्रेणी में अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, इक्वाडोर, अल साल्वाडोर, यूरोपीय संघ, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, जापान, जार्डन, मलेशिया, उत्तरी मैसेडोनिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन, ताइवान, थाईलैंड, ब्रिटेन और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। वाणिज्य विभाग के नोटिस में कहा गया कि इन देशों से आने वाले पात्र उत्पादों को शून्य प्रतिशत शुल्क का लाभ इसलिए मिल सकता है, क्योंकि अमेरिका के साथ उनका इस समय व्यापार और सुरक्षा ढांचा समझौता है या आने वाले दिनों में यह समझौता हो सकता है।

नेपाल-श्रीलंका विदेशमंत्रियों की संयुक्त राष्ट्र में वार्ता

काठमांडू। न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्रसंघ की 81वीं महासभा के दौरान नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल और श्रीलंका के विदेशमंत्री विजिथा हेराथ के बीच मंगलवार को मुलाकात हुई। विदेश मंत्री खनाल के सचिवालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों के बीच महासभा के दौरान साइडलाइन बैठक हुई। इस दौरान नेपाल और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक में मंत्री खनाल ने नेपाल में हाल में आई विनाशकारी जलवायुजनित आपदा से प्रभावित समुदायों के प्रति श्रीलंका की सहानुभूति और एकजुटता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आर्थिक और मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए श्रीलंका सरकार और वहां की जनता को धन्यवाद भी दिया।दोनों ने नेपाल-श्रीलंका के मैत्रीपूर्ण एवं सहयोगात्मक संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने मौजूदा द्विपक्षीय तंत्रों की बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति, संपर्क सञ्जाल तथा जनस्तरीय संबंधों समेत आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और विस्तार एवं मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

हजारों साल पुराने जीवाश्म से मिला इंसानों के पूर्वजों से जुड़ा सुराग

कैंब्रिज

चीन में मिले करीब 518 मिलियन साल पुराने एक अनोखे जीवाश्म ने धरती पर जीवन के विकास की एक अहम कड़ी पर नई रोशनी डाली है। वैज्ञानिकों ने इस प्राचीन जीव का नाम यूजिंगिया ग्लूटेनोटुनिका रखा है। यह जीवाश्म कैम्ब्रियन काल का है, जब धरती पर जीवों की विविधता तेजी से बढ़ रही थी। यह जीवाश्म चीन के युन्नान प्रांत स्थित चेंगजियांग बायोटा से मिला है। इसका आकार केवल 8 से 22 मिलीमीटर के बीच था। नार्थवेस्ट यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता काइयू हे के अनुसार, इसका शरीर लंबी बोतल जैसा था और नीचे के गोल हिस्से के ऊपर टेंटेकल्स फैले हुए थे। इसका आकार चीन के पारंपरिक कलश यूजिंगपिंग जैसा दिखाई देता है, इसी वजह से इसके नाम में यूजिंगिया जोड़ा गया। जीव का बाहरी हिस्सा जेली जैसी पारदर्शी झिल्ली से ढका हुआ था।

इस खोज की सबसे बड़ी अहमियत एम्बुलाक्रारियंस के विकास को समझने में बताई जा रही है। इस समूह में आज की स्टारफिश और समुद्री अर्चिन जैसे जीव शामिल हैं। वैज्ञानिकों की पुरानी धारणा थी कि इनके शुरुआती पूर्वज समुद्र की तलहटी में रहने वाले कीड़े जैसे जीव रहे होंगे, जो पानी से भोजन के कणों को छानकर खाते थे। लेकिन नए जीवाश्म की बनावट इस धारणा को चुनौती देती है। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के जियोवानी मुसिनी के अनुसार, यूजिंगिया के टेंटेकल्स पानी में मौजूद जैविक कणों को पकड़ने में मदद करते रहे होंगे। कुछ अन्य टेंटेकल्स संभवत: इसे समुद्र की सतह या तल से जुड़े रहने में सहायता करते थे। इसका मतलब है कि शुरुआती ड्यूटरोस्टोम्स में भोजन हासिल करने की जटिल व्यवस्था पहले की अपेक्षा काफी पहले विकसित हो चुकी थी। उस समय जीवों में कठोर कंकाल का विकास अभी नहीं हुआ था।

यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ड्यूटरोस्टोम्स के समूह में इकाइनोडर्मेटा, कार्डेटा और हेमिकार्डेटा जैसे प्रमुख समूह आते हैं। मनुष्य और अन्य रीढ़ वाले जीव कार्डेटा का हिस्सा हैं, जबकि स्टारफिश और समुद्री अर्चिन इकाइनोडर्म्स में आते हैं। शोध के अनुसार, अलग-अलग पर्यावरणीय परिस्थितियों ने इन जीवों को विकास की अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ाया। शोधकर्ताओं का मानना है कि कार्डेट्स ने भोजन की तलाश में सक्रिय रूप से घूमने वाली जीवनशैली अपनाई, जिससे समय के साथ उनके शरीर की संरचना और अन्य विशेषताओं में बदलाव आया। दूसरी ओर, स्टारफिश जैसे जीव समुद्र की तलहटी से जुड़े रहे और वहां मौजूद खाद्य कणों पर निर्भर रहने वाली जीवनशैली विकसित की।

मेक्सिको की तरफ बढ़ रहा पोलो, तेज हवाएं, भारी बारिश और ऊंची लहरें उठने का खतरा

लोगों से तूफान के संभावित असर को देखते हुए सावधानी बरतने को कहा

वाशिंगटन

मेक्सिको और अमेरिका के अधिकारियों ने लोगों से तूफान पोलो को देखते हुए अपनी आपात तैयारियां जल्द पूरी करने को कहा है। यह शक्तिशाली तूफान उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको की ओर बढ़ रहा है और तटीय इलाकों में बहुत तेज हवाएं, भारी बारिश और ऊंची लहरें उठने का खतरा है। पोलो कमजोर होकर सैफिर-सिम्पसन स्केल पर कैटेगरी-3 का तूफान बन गया, लेकिन यह अब भी खतरनाक है। मेक्सिको की मौसम सेवा के मुताबिक तूफान सोमवार को जमीन से टकरा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तूफान के साथ लगातार चलने वाली हवाओं की अधिकतम रफ्तार 195 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जबकि हवा के झोंके 240 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रहे थे। पोलो करीब 17 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था।

मेक्सिको की नेशनल सिविल प्रोटेक्शन कोआर्डिनेशन ने बाजा कैलिफोर्निया सुर, सोनोरा और सिनालोआ के लोगों से तूफान के संभावित असर को देखते हुए सावधानी बरतने को कहा है। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर ने भी बाजा कैलिफोर्निया सुर के लोगों से अपनी और अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए तैयारियां तेज करने को कहा है। बाजा कैलिफोर्निया सुर के उत्तरी और मध्य हिस्सों में 25 से 50 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है।

अधिकारियों के मुताबिक तटीय इलाकों में तीन से पांच मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। तूफान के सबसे ताकतवर हिस्से से दूर कुछ इलाकों में लगातार चलने वाली हवाओं की रफ्तार 20 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जबकि हवा के झोंके 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं। मेक्सिको के अधिकारियों ने पुंटा एब्रियोजोस से सांता फे तक हरिकेन चेतावनी जारी की है। लोरेटो से सांता रोसालिया तक भी तूफान को लेकर अतिरिक्त सावधानियां लागू की गई हैं। वहीं, पुंटा एब्रियोजोस से पुंटा यूजीनिया तक के इलाके में हरिकेन और ट्रापिकल स्टार्म से जुड़ी चेतावनियां जारी हैं।

अधिकारियों ने लोगों से घरों और आसपास मौजूद ऐसी चीजों को भी सुरक्षित करने को कहा है, जो तेज हवा में गिर सकती हैं या उड़ सकती हैं। परिवारों को अपने नजदीकी अस्थायी राहत केंद्र और सुरक्षित बाहर निकलने के रास्तों की जानकारी रखने को कहा है। मौसम और तूफान से जुड़ी जानकारी के लिए लोगों को केवल आधिकारिक मौसम और सिविल प्रोटेक्शन एजेंसियों की जानकारी पर भरोसा करने की सलाह दी है। मेक्सिको का प्रशांत तट पूर्वी प्रशांत हरिकेन सीजन के दौरान अक्सर ट्रापिकल स्टार्म और हरिकेन की चपेट में आता है। बाजा कैलिफोर्निया सुर में कई बड़े पर्यटन केंद्र और आबादी वाले इलाके हैं। यहां भारी बारिश और समुद्र का पानी तेजी से तट की ओर बढ़ने की वजह से सड़कें, बंदरगाह और दूसरी जरूरी सुविधाएं प्रभावित हो सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर-सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन-देन में सावधानी बरतें। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्य-क्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन-जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 सितंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी दोपहर 02:57 तक
नक्षत्र : भरणी प्रात: 07:37 तक
योग : वज्र रात्रि 12:20 तक
करण : बालव दोपहर 02:57 तक
चन्द्रराशि : मेष दोपहर 01:14 तक
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:05 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 ,सूर्यास्त 05:57 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्थी श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रिमझिम बरसात में बिटिया दिवस पर काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच की काव्य गोष्ठी

देशभर से जुड़े कवियों ने बिटिया और बरसात पर प्रस्तुत की भावपूर्ण रचनाएं

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सितंबर 2026 की 26 तारीख, शनिवार को विशेष अंतर्राष्ट्रीय बिटिया दिवस एवं बरसात के मौसम के अवसर पर काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच द्वारा ऑनलाइन जूम मंच पर शाम 6 बजे से काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में देश के विभिन्न शहरों से जुड़े कवियों ने दोनों विषयों पर आधारित बेहतरीन और भावपूर्ण कविताएं प्रस्तुत कर कार्यक्रम को काव्यमय बना दिया।

इस काव्य गोष्ठी का शुभारंभ हैदराबाद की मोऊ मल्लिक दे द्वारा सरस्वती वंदना के गायन से हुआ। उन्होंने बांग्ला भाषा में सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. कुमुद बाला ने बरसात के मौसम और बिटिया दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद उन्होंने दिल्ली से जुड़ी डॉ. सुदेश भाटिया को कविता पाठ के लिए आमंत्रित किया। कवयित्री ने बिटिया दिवस को समर्पित अपनी सुंदर रचना प्रस्तुत की, जिसमें बेटियों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहाआज भी हमारी बेटियां सताई जाती हैं, अभी भी कई घरों में वे जलाई जाती हैं।

विशाखापट्टनम से जुड़ी और कई भाषाओं की जानकार कवयित्री डॉ. दीपा गुप्ता ने अपनी कविता में बेटी से मां बनने के सफर को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करते हुए कहाआओ मैं सुनाती हूँ बेटी से मां का सफर, जो खाने में पहले नखरे दिखाती थी, आज सबसे अंत में खुद खाती है।

वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती मीना

चौहान ने भी बेटियों पर कविता प्रस्तुत की। उन्होंने कहाईश्वर का आशीर्वाद होती हैं बेटियां, कभी मां, कभी बहन होती हैं बेटियां, हर घर की शान होती हैं बेटियां।

हैदराबाद से जुड़ी ए. मालार विजी ने बेटियों और बरसात के मौसम पर सुंदर कविता सुनाई। उन्होंने कहामेरी बेटियां मेरा गुरूर, वे दोनों हैं जीवन की कोहिनूर और रिमझिम आई फुहार, कागज की नाव बनाकर पानी में डाल दिया।

तत्पश्चात रांची, झारखंड से जुड़ी सीमा साहू ने वर्षा और बिटिया को केंद्र में रखते हुए अपनी रचना प्रस्तुत कीबारिश के आने का इंतजार और बिटिया घर की रौनक, बिटिया घर का मान।

इसी क्रम में मेरठ से जुड़ी डॉ. रूपाली सरकार ने भी बेटियों पर अपनी कविता सुनाई। उन्होंने कहामत दहन करो इक औरत को, क्यों लेते हो सबकी अग्निपरीक्षा, सोचती हूं पहले बेटी को पढ़ाओ, फिर उसको बचाओ।

बीकानेर से जुड़े डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोई ने रिमझिम बरसात पर अपनी सुंदर रचना प्रस्तुत करते हुए कहारिमझिम मेह बरसे, आई रिमझिम की फुहार।

हरियाणा से जुड़े पृथ्वी सिंह बेनीवाल बिश्नोई ने बेटी को समर्पित कविता प्रस्तुत की और कहाबेटी है अनमोल रत्न।

हैदराबाद की मोऊ मल्लिक दे ने भी बिटिया के जन्म को बरसात से जोड़ते हुए अपनी भावपूर्ण रचना सुनाई। उन्होंने कहामेरे लिए बिटिया का जन्म ऐसा है जैसे सूखी धरती पर नन्हीं बूंदों से सजी बरसात। अंत में डॉ. कुमुद बाला ने भी बिटिया को समर्पित अपनी कविता प्रस्तुत की। उन्होंने सभी कवियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। इसी के साथ रिमझिम बरसात और बिटिया दिवस को समर्पित यह काव्य गोष्ठी भव्यतापूर्वक संपन्न हुई।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान, नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

मंचेरियाल, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत मंचेरियाल शहर के सुचित्रा इन में भाजपा पार्टी द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मंचेरियाल नगर निगम के फ्लोर लीडर एवं भाजपा बीसी मोर्चा के प्रदेश महासचिव गाजुला मुकेश गौड़ के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन बीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद गौड़ के साथ मिलकर किया गया। शिविर में लोगों की आंखों की जांच की गई तथा जरूरतमंदों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और समाजसेवा के माध्यम से जनहित में योगदान देना रहा।इसके पश्चात राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस में हिंदू समाज को कथित रूप से अपमानित करने वाली टिप्पणियों के विरोध में जिला केंद्र में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया। इस दौरान बीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद गौड़ ने कहा कि हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर स्पष्टीकरण देने तथा हिंदू समाज की भावनाओं का सम्मान करने की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। धरना प्रदर्शन के बाद भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष येरवली रघुनाथ, बीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद गौड़ तथा जिला अध्यक्ष नगनूरी वेंकटेश गौड़ ने राज्य सरकार द्वारा सिंगरेनी संस्था को बकाया 56 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करने की मांग को लेकर अगले दिन नासपुर सीसीसी कॉर्नर पर आयोजित होने वाले सिंगरेनी धरना स्थल का निरीक्षण किया।

पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बांसवाड़ा, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र स्थित एस.आर.एन.के. सरकारी डिग्री कॉलेज में तेलंगाना मीडिया एकेडमी की देखरेख में पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेलंगाना मीडिया एकेडमी के चेयरमैन श्रीनिवास रेड्डी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन बांसवाड़ा विधायक एवं सरकारी सलाहकार पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, आरडीओ रविंदर रेड्डी, टीयूडब्ल्यूजे यूनियन के जिला अध्यक्ष रजनीकांत सहित अन्य अतिथियों ने किया।

इस अवसर पर पत्रकारों को पत्रकारिता में व्यावसायिक कौशल के महत्व, बदलते मीडिया क्षेत्र में हो रहे आधुनिक बदलावों, समाचार संकलन तथा लोगों तक प्रभावी ढंग से जानकारी पहुंचाने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मीडिया क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम पत्रकारों को बदलते समय के अनुरूप अपने कौशल को बेहतर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। कार्यक्रम में कामारेड्डी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने हिस्सा लिया।

जनता को सरकारी सेवाएं शीघ्र और प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराएं

पेद्दापल्ली, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले के कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता को सरकारी सेवाएं शीघ्र और प्रभावी ढंग से प्रदान करने के लिए सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें।मंगलवार को कलेक्टर ने एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय के विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों के प्रबंधन तथा जनता को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि फाइलों एवं अभिलेखों का व्यवस्थित ढंग से प्रबंधन किया जाना चाहिए तथा कार्यालयों और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट के एओ बांदी प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिख प्रतिनिधिमंडल ने भट्टी से की मुलाकात

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिख समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिख एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष सरदार प्रीतम सिंह (सेवानिवृत्त, एसपी) के नेतृत्व में तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर सिख छावनी, अत्तापुर, हैदराबाद स्थित गुरु नानक हाई स्कूल के खेल मैदान, गुरुद्वारा साहिबानों एवं शैक्षणिक संस्थानों की जमीन को सिख समुदाय के पक्ष में नियमित करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने गुरु नानक हाई स्कूल के खेल मैदान की जमीन के अधिग्रहण को तत्काल रोकने का भी आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, उक्त जमीन 1832 में हैदराबाद के निजाम द्वारा सिख फोर्स के लिए प्रदान की गई थी और सिख समुदाय का इससे लंबे समय से ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने समुदाय के हितों की रक्षा के लिए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की। उप मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को सुना और उचित विचार का आश्वासन दिया।

अवैध खनन पर कार्रवाई की मांग

पेद्दापल्ली, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शांतानगर के दूसरे वार्ड निवासी सानिकम्मु रामरेड्डी ने जिले में कथित अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में आयोजित मीडिया सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कई बार शिकायतें और सबूत देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

रामरेड्डी ने अधिकारियों से अवैध खनन वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर खनन की मात्रा तथा सरकारी राजस्व को हुए नुकसान का आकलन करने की मांग की। उन्होंने नियमों के विरुद्ध खनन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सरकारी राजस्व की वसूली की मांग की। साथ ही कलेक्टर से पुलिस, राजस्व एवं खनन विभाग के अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर जिले में अवैध खनन की व्यापक जांच कराने की मांग की।

रिम्स आदिलाबाद घटना को लेकर एनसीपीसीआर प्रतिनिधियों के साथ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बैठक

आदिलाबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (टीजीएससीपीसीआर) की चेयरपर्सन श्रीमती कोताकोटा सीता दयाकर रेड्डी तथा आयोग के सदस्यों के साथ बैठक की।

इस अवसर पर आरआईएमएस (रिम्स), आदिलाबाद में हुई नवजात शिशुओं की आग की घटना के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

विशेष रूप से 24 सितंबर 2026 को टीजीएससीपीसीआर की टीम द्वारा आरआईएमएस आदिलाबाद के दौरे के दौरान किए गए निरीक्षण, प्रभावित परिवारों से हुई बातचीत, अस्पताल के अधिकारियों के साथ हुई बैठक तथा उपचार प्राप्त कर रहे बच्चों की स्थिति सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों से एनसीपीसीआर के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया।

अस्पतालों में नवजात शिशुओं की सुरक्षा पर जोर

बैठक में बच्चों की सुरक्षा, विशेषकर अस्पतालों में नवजात शिशुओं की सुरक्षा से संबंधित मानकों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली, अग्नि सुरक्षा तथा अन्य निवारक उपायों को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

दोनों आयोगों ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बैठक में चेयरपर्सन श्रीमती कोताकोटा सीता दयाकर रेड्डी, सदस्य श्रीमती मर्रिपल्ली चंदना, श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल, श्रीमती वंदना गौड़, श्रीमती सरिता तथा श्री वचन कुमार बुर्का, डीसीपीओ हैदराबाद श्रीनिवास और रामिरेड्डी उपस्थित रहे।

नवजातों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

बैठक में आरआईएमएस आदिलाबाद की घटना के संदर्भ में अस्पतालों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा तथा आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया। आयोगों ने संबंधित विभागों के बीच समन्वय के साथ सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता बताई।

बधिरों के साथ हमेशा खड़े रहेंगे : विधायक धनपाल

निजामाबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता ने कहा कि वे जिले के बधिरों के साथ हमेशा खड़े रहेंगे। बधिर कर्मचारी संघ के तत्वावधान में मंगलवार को शहर के नए अंबेडकर भवन में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विधायक धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता ने कहा कि बधिरों में बौद्धिक क्षमता बहुत अधिक होती है। प्रतिस्पर्धी दुनिया में आम लोगों के बराबर आगे बढ़ना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि बधिर होते हुए भी सरकारी कर्मचारी के रूप में सेवाएं दे रहे लोगों को देखकर खुशी होती है। उन्होंने कहा कि अपनी कमियों पर ध्यान दिए बिना निरंतर मेहनत और समर्पण के साथ कार्य करने वालों को ही सफलता मिलती है।

कार्यक्रम में बधिर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष उदय कुमार, महासचिव महेश, 19वें डिवीजन के नगरसेवक नागोला लक्ष्मीनारायण, ज्योति मुरली सहित अन्य ने भाग लिया।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं।

इस गुप्त मंत्र को सुनने और बोलने से ही दूर हो जाती है सारी समस्याएं

यह मंत्र निम्न प्रकार है-

नमो स्तवन अनंताय सहस्त्र मूर्तये, सहस्त्रपादाक्षि शिरोरु बाहवे सहस्त्र नाम्ने पुरुषाय शाश्वते, सहस्त्रकोटि युग धारिणे नमः

जानिए एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में, जिसे सुनने और बोलने से ही समस्याएं भाग जाती हैं, लेकिन इसे किसी को बताना नहीं चाहिए।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है।

इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं। आज की इस पोस्ट में हम एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में बताएंगे जिसे सुनने मात्र से ही पाप कट जाते हैं। इस मंत्र के जाप से जीवन की बडी से बडी बाधा भी आसानी से कट जाती है।

जीवन में आने वाली समस्त बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए रोज सुबह इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र को भगवान शिव तथा विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। यह मंत्र अत्यन्त गुप्त है तथा आमतौर पर इसका उल्लेख नहीं किया जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस मंत्र के बारे में महाभारत के अनुशासन पर्व तथा तंत्र के प्राचीन ग्रंथों में लिखा गया है। इसके इस्तेमाल की विधि भी अत्यन्त सरल है। आपको केवल इतना सा करना है कि रोज सुबह नहा-धोकर, साफधुले हुए कपडे पहने तथा भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीले पुष्प, प्रसाद, चंदन आदि समर्पित करें और यथायोग्य उनकी पूजा कर उनसे इस मंत्र के जाप को आरंभ करने का आशीर्वाद लें।

इसके पश्चात एक स्वच्छ व शुद्ध आसन पर एकांत में बैठकर भगवान शिव अथवा विष्णु का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जाप आरंभ कर दें। एक माला रोजाना कर लें। आपके लिए इतना ही पर्याप्त रहेगा। साथ ही समस्या हल होने तक इसका जाप लगातार जारी रखें।

पूजा के दौरान रोजाना किसी जीव (भिखारी, बच्चे, पशु या पक्षी) को भोजन दान दें। इसके अलावा घर पर आए साधु को भी अन्नदान दें। इसके बाद सच्चे मन से प्रार्थना कर अपने काम में जुट जाएं। अवश्य ही आपकी इच्छा पूरी होगी।

शुक्रवार को देवी लक्ष्मी के इन मंत्रों के जाप से आर्थिक कष्ट दूर हो जाते हैं

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं ।

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं जिससे सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैभव लाता है। महालक्ष्मी के पूजन में निम्न में से किसी भी एक मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए।

श्री महालक्ष्मी के पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी पूजन के दो सरल मंत्र हैं। जिनका उच्चारण भी सरल है। महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए रोज इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

श्री महालक्ष्म्यै नमः। ऊँ महालक्ष्म्यै नमः।

श्री महालक्ष्मी के अन्य मंत्र-

शास्त्रों में देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई मंत्र हैं। जिनमें से तीन मंत्र इस प्रकारहैं। इन मंत्रों को तीव्र असरकारी कहा गया है। लेकिन उच्चारण में कठिन है। इसलिए प्रशिक्षित होने पर ही इन मंत्रों का जाप करें।

ऊँ श्रीं श्रियै नमः।

श्रीं हीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा ।

ऊँ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नमः।

रावण ने मंदोदरी को बताए थे 'स्त्रियों के 8 अवगुण'

लंकापति रावण का नाम सुनते ही लोग उसके बारे में बुरा सोचने लगते हैं क्योंकि उसने मां सीता का हरण किया था। हम में से बहुत कम ही लोग जानते हैं कि वह एक महापंडित था, जिसने कठोर तपस्या कर के ढेर सारा ज्ञान अर्जित किया था।

रावण की एक पत्नी थी, जिसका नाम मंदोदरी था और वह उससे अति प्रेम करता था।

लेकिन रामचरित मानस के अनुसार जब रावण ने सीता का हरण कर लिया तब उसके बाद श्रीराम वानर सेना सहित समुद्र पार करके लंका पहुंच गए थे, तब मंदोदरी डर गई और उसने रावण के पास जा कर बोला कि आप युद्ध ना करें और सीता को वापस उनके पति श्रीराम के हवाले कर दें और उनसे क्षमा मांग लें।

यह सुनने के बाद रावण अपी पत्नी पर हंसा और महिलाओं के आठ अवगुणों को सुनाने लगा। आइये जानते हैं कि रावण ने स्त्रियों के कौन से 8 अवगुण बताए थे।

पहला अवगुण

पहला अवगुण है, महिला में बहुत ज्यादा साहस होना। इसके चलते वो कई बार उस जगह पर साहस का प्रदर्शन कर देती हैं, जहां उन्हें नहीं करना चाहिये। इससे उन्हें और उनके परिवार वालों को बाद में पछताना पडता है। साहस को दु:साहस नहीं बनाना चाहिये।

दूसरा अवगुण

दूसरा अवगुण है, उनकी निरंतर झूठ बोलने की आदत। रावण ने कहा था कि महिलाएं बात बात पर झूंठ बोलती हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि झूंठ ज्यादा दिनों तक छुप नहीं पाता।

तीसरा अवगुण

वे काफी चंचल होती हैं। उनका मन बार बार बदलता रहता है और उनके मन की बात को समझना काफी मुश्किल होता है।

चौथा अवगुण

वे कई बार दूसरों के खिलाफ साजिश भी रचती हैं ताकि परिस्थिति उनके अनुकूल हो। अपना काम सिद्ध कराने के लिए महिलाएं क्या-क्या करती हैं, इसकी भी चर्चा की है रावण ने।

पांचवां अवगुण

हांलाकि वो एक ओर तो साहसी होती हैं मगर वे उतनी ही जल्दी घबरा भी जाती हैं। अगर उन्हें लगता है कि काम उनके मुताबिक नहीं हो रहा है तो, वह बदलाव देख डर जाती हैं।

छठा अवगुण

महिलाएं थोडी मूर्ख भी होती हैं। वे बिना सोचे समझे फैसला कर लेती हैं और बडी समस्या में पड जाती हैं और इसका एहसास उन्हें बडी देर से होता है।

सातवां अवगुण

उनका निर्दयी होना। स्त्रियों को पुरुषों के मुकाबले दयालु माना जाता है, लेकिन रावण के अनुसार स्त्रियां निर्दयी होती है। वे अगर कभी दया का भाव छोड दे यानि निर्दयी हो जाए तो कभी भी दया नहीं दिखाती।

आठवां अवगुण

महिलाएं देखने में चाहे कितनी भी सुंदर हों, खूबसूरत गहने और साडी पहने, लेकिन वह साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखती। इस कारण से रावण ने महिलाओं को अपवित्र कहा था।

भाग्यशाली बनने के ये हैं 5 उपाय

हर व्यक्ति भाग्यशाली बनने की तमन्ना रखता है। इसके लिए वह कई जतन करता है। वह कठिन परिश्रम करता है। ताकि वो अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभा सके। लेकिन फेंगशुई में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं। जिन्हें आजमाकर आप भाग्यशाली बन सकते हैं।

1. मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियां न हों: ध्यान रखें कि घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियों का होना दोषपूर्ण माना जाता है। इससे घर के मालिक की आर्थिक समस्याएं बढती हैं। इन खिडकियों के माध्यम से व्यक्ति का भाग्य हवा के साथ बह कर बाहर चला जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए खिडकियों की चौखट पर गोल पत्तियां वाले पौधे का गमला रख दें या ऊपर खिडकी में टांग दें।

2. प्रवेश द्वार के अगल-बगल पौधे रखें : घर व ऑफिस के प्रवेश द्वार के अगल-बगल में फूलों के गमले रखने चाहिए। ये घर में या ऑफिस में प्रवेश करने वाली ऊर्जा को और अधिक सकारात्मक व शक्तिशाली बना देते हैं। ध्यान रहे कि ये पौधे कांटेदार व नुकीली पत्तियां वाले नहीं हों।

3. हिंसा दर्शाते चित्र न लगाएं : घर में कभी भी हिंसा वाले चित्र न लगाएं। विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम कोने में तो बिल्कुल भी नहीं। क्योंकि यह कोना रिश्तों से संबंधित होता है। महाभारत के दृश्य, पुस्तक रखना घर परिवार में कलह का कारण बनता है। इससे मन भी अशांत रहता है।

4. सीधे चढाव के दोष को दूर कीजिए : घर में तिरछा या घुमावदार चढाव अच्छा माना जाता है। सीधे चढाव पर ची का प्रवाह एकदम तेज होता है। इसे कम करने के लिए नीचे छह खोखली रॉड वाली एक पवन घंटी (विंड चाइम) लटका देनी चाहिए। यह आगंतुकों के प्रवेश की सूचना देती है तथा गृह स्वामी को उनके प्रति सचेत करती है।

5. संदूक में दोहरा आइना लगाएं : अपने घर व दुकान के संदूक में नीचे व ऊपर की ओर आइना(मिरर) लगा होना चाहिए। इस प्रकार संदूक आपके पैसे को कई गुना बढा देगा। आमदनी भी अधिक होगी। संदूक में लाल फीते से तीन चीनी सिक्के बांध कर रखने से लक्ष्मी जी की प्राप्ति होती है।

मुस्कुराहट ऐसे बनाएगी सफल व्यक्ति

डिक्शनरी की परिभाषा अनुसार मुस्कराहट, चेहरे का एक ऐसा भाव है जिसमें होठों के किनारे हल्के से ऊपर की तरफउठ जाते हैं, और इससे एक व्यक्ति का उत्साह, उसकी रजामंदी या खुशी जाहिर होती है।

मुस्कान तथा प्रसन्नता हमारे शरीर एवं मन पर आश्चर्यजनक प्रभाव डालते हैं और शोक, भय, क्लेश जैसी प्राणघातक वृत्तियों का उन्मूलन क्षण भर में कर डालते हैं और इसी वजह से आनंद को ईश्वरीय गुण कहा गया है, क्योंकि वह हमारे शरीर में मधुर रस उत्पन्न करता है और किसी अव्यक्त मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से शरीर और मन पर तत्काल शान्ति का अलौकिक प्रभाव डालता है।

भौतिकता की अंधी दौड में भागते हुए इंसानों को संयोग से यदि कोई मुस्कुराता हुआ व्यक्ति दिख जाता है, तो उसे देखकर वे बडे प्रसन्न हो जाते हैं और उसकी ओर आकर्षित होते हैं। इसके पीछे का मूल कारण है 'सकारात्मक प्रभाव' जो केवल एक मुस्कान मात्र से व्यक्ति को अपने सर्व दु:ख दर्द भुला देता है और सुख व संतोष की अनुभूति कराता है और इसीलिए ही मनुष्य को जब भी हंसने का अवसर मिले, तब जी भरके खूब हंसना चाहिए। याद रहे जो व्यक्ति हंसना नहीं जानता, वह जीना नहीं जानता।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है। तभी तो कहते हैं कि जो सदा हंसता-मुस्कुराता है, वह अस्सी वर्ष की अवस्था में भी नौजवान लगता है, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत जो मन-मलीन और उदास रहता है, वह बीस वर्ष की आयु में भी बूढा लगने लगता है। हंसने से फेफडों को भी नवीन शक्ति मिलती है, जिससे शरीर का रक्त शुद्ध और सशक्त बनता है। आज एक तरफ अनेक प्रकार के टीवी सीरियल्स मनुष्यों को जबरदस्ती हंसाने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ महानगरों में बने विविध लाफिंग क्लस मानव के चेहरे पर जबरदस्ती हंसी लाने का अल्प प्रयास कर रहे हैं। परन्तु यह कृत्रिम हास्य में क्या मजा असली मजा और आनंद तो वास्तविक मुस्कान में है, जो बदकिस्मती से हमें किसी के भी चेहरे पर दिखती नहीं है, क्यों।

इसका कारण है हमारे मन का मैल। जी हां जैसे दीपक की बाती में चाहे कितनी भी रोशनी हो पर उस पर लगे कांच के आवरण पर यदि मिट्टी या कालिमा लगी हो तो वह प्रकाश मैले कांच से अवरुद्ध हो जाता है एवं पूर्णरूपेण बाहर नहीं फैल सकता, ठीक इसी प्रकार से जब तक हमारे मन पर छल, कपट, ईर्ष्या, द्वेष, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार की कालिमा है, तब तक हमारी आत्मा की खुशी अवरुद्ध होती रहेगी और हमारे चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी नहीं, इसलिए सर्वप्रथम हमें इस कालिमा को दिव्य गुणों की धारणा द्वारा दूर करना होगा, अन्यथा हमारा जीवन इन्हीं अवगुणों के वशीभूत सदा दुखी व असंतुष्ट रहेगा। क्या हमने मनुष्य जन्म ऐसे ही रोते-बिलखते काटने के लिए लिया हैं या हंसते-खेलते और गाते-मुस्कराते हुए महोत्सव की भांति आनन्द लेने के लिए लिया है। तय आपको करना है, क्योंकि यह जीवन आपका है। हंसने से खत्म हो जाता है मनोविकारों का विष : हंसने से अनेक द्रव्य मस्तिष्क में प्रवाहित होते हैं जो हमें अनेक बीमारियों से बचाते हैं और तंदुरुस्त रखते हैं, इसीलिए ही हास्य को स्वास्थ्य का मूल-मंत्र माना गया है। ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध आदि उत्तेजनाओं से जो शारीरिक अस्त व्यस्तता उत्पन्न हो जाती है, मनोविकारों का जो विष अवयवों में संचित हो जाता है, वह हंसने से दूर हो जाता है।

मन जीतें जग जीत

जीवन भावयुद्ध की तरह है। अक्सर हम पाते हैं कि हम संग्राम में खडे हैं। कभी मन को राहत मिलती है तो कभी संवेदनाएं भी आहत भी होती हैं। मर्म पर लगी इस चोट की वजह कभी हमारा अहंकार होता है तो कभी दूसरों का। जीवन में कभी हम दूसरों से प्रभावित होते हैं और कभी अपनों से। समृद्ध जीवन के लिए जरूरी है कि भावनाओं के युद्ध में, विचारों और संबंधों के युद्ध में हम पराभूत न हों। लेकिन हो सकता है जिसने मनोविकार जीत लिए। जो मानसिक विकारों से मुक्त नहीं हो पाता वह विजेता नहीं हो सकता है। जो चित्त की वृत्तियों को स्थिर नहीं कर पाता वह जीत नहीं सकता। इसलिए गुरु नानक ने कहा है,'मन जीते जग जीत'। शास्त्र कहते हैं कि मन ही मनुष्य के बंधन और मुक्ति का कारण है। मन से बंधे हैं हम और मन की मुक्ति से ही मनुष्य मुक्त होगा। मुक्ति से अर्थ जडता, आलस्य, प्रमाद, संकीर्णता, भ्रम और भय से मुक्ति से है। इसलिए कभी अगर हम मुक्त हुए तो उसमें मन ही सहायक बनेगा। जब हम अपने मन पर नियंत्रण कर लेंगे तो हम चीजों से पार जा सकेंगे। संसार में जीत उसी की वही है जिसके पास विवेक है। मुश्किल परिस्थितियों में अपने विवेक के जरिए मनुष्य राह निकाल सकता है। विवेकवान मनुष्य बहुत तुच्छ चीजों पर ध्यान नहीं देता और चीजों को समग्रता में देखता है। इसलिए कितनी ही कठिन परिस्थिति क्यों न हो कुछ पल के लिए बिना तनाव के विचार करें। विचारें कि आप जो करने जा रहे हैं क्या वह बेहतर है, क्या वह हितकारी है और आप अच्छा रास्ता चुनने में हमेशा सफल रहेंगे।

ये हैं भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के 7 मंत्र

1-कृं कृष्णाय नमः

यह स्वयं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताया गया मूलमंत्र है। इसके प्रयोग से रुका हुआ धन प्राप्त होता है। इसके अलावा इस मूलमंत्र का जाप करने से घर-परिवार में सुख की वर्षा होती है।

2- ऊं श्रीं नमः श्रीकृष्णाय परिपूर्णतमाय स्वाहा

यह श्रीकृष्ण का सप्तदशाक्षर महामंत्र है। अन्य मंत्र शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार 108 बार जाप करने से ही सिद्ध हो जाते हैं लेकिन इस महामंत्र का पांच लाख जाप करने से ही सिद्ध होता है। इससे अटके काम पूरे होते हैं।

3- गोवल्लभाय स्वाहा

ये केवल दो शब्द दिखाई देते हैं लेकिन धार्मिक संदर्भ से देखें तो इन शब्दों को बनाने के लिए प्रयोग में आए सात अक्षर बेहद महत्वपूर्ण हैं। यदि उच्चारण के समय एक भी अक्षर सही से नहीं पढा जाए, तो इस मंत्र का असर खत्म हो जाता है।

4- गोकुल नाथाय नमः

इस आठ अक्षरों वाले श्रीकृष्ण मंत्र का जो भी साधक जाप करता है उसकी सभी इच्छाएं व अभिलाषाएं पूर्ण होती हैं। आर्थिक, आत्मिक और भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

5- क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नमः

ज्इस मंत्र का प्रयोग साधक आर्थिक स्थिति में सुधार की कामना से करते हैं। यह संपूर्ण सिद्धि देना वाला मंत्र है। यह मंत्र आर्थिक स्थिति में सुधार ही नहीं करता बल्कि उसे दृढ भी बनाता है।

6- ऊं नमो भगवते श्रीगोविन्दाय

ज्यह ऐसा मंत्र है जो विवाह से जुडा है। जो जातक प्रेम विवाह करना चाहते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं रहा तो वे प्रातः काल में स्नान के बाद ध्यानपूर्वक इस मंत्र का 108 बार जाप करें।

7- ऐं क्लीं कृष्णाय ह्रीं गोविंदाय श्रीं गोपीजनवल्लभाय स्वाहा हर्सो

ज्यह मंत्र उच्चारण में थोडा कठिन जरूर है लेकिन इसका प्रभाव अचूक है। यह मंत्र वाणी का वरदान देता है।

इस उम्र में न करें जिमिंग

आकर्षक दिखने और मस्कुलर बॉडी की चाह में लड़के व लड़कियां दोनों ही आजकल कम उम्र में जिम जाकर वर्कआउट करना पसंद करने लगे हैं। ऐसे में वे फिजिकली मजबूत तो हो जाते हैं लेकिन शरीर में जो बदलाव नेचुरल तरीके से होने चाहिए वे नहीं होते। जिससे मांसपेशियों में खिंचाव होने के साथ हड्डियों की सही ग्रोथ नहीं होती और हार्मोन्स ठीक से रिलीज न होने के कारण हार्मोन इंबेलेंस की समस्या सामने आती है। 20 की उम्र तक सामान्यतः लंबाई बढ़ाने वाली हड्डियों में फ्यूजन होने से लंबाई बढ़ने की प्रक्रिया बंद हो जाती है। लड़कों में वॉइस बॉक्स पूरी तरह विकसित हो जाता है। लंबाई बढ़ने की प्रक्रिया बंद होते ही किशोर के स्वभाव में बदलाव आने इस उम्र में लगभग बंद हो जाते हैं जिससे उसका गुस्सा शांत रहता है और वह हर बात का सोच-समझकर जवाब देता है। उम्र के मुताबिक वजन, लंबाई के अनुसार न हो तो रोगों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में लड़कियों में माहवारी का अनियमित होना और पीसीओडी की दिक्कत ज्यादा होती है। यदि खानपान की आदत खराब है तो उसे ओबेसिटी भी हो सकती है जो भविष्य में उसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग आदि से घेर सकती है। कुछेक मामलों में कम हाइट भी परेशानी पैदा करती है।

सतर्कता बरतें

खानपान में जंक व फास्ट फूड के बजाय पौष्टिक चीजों को चुनें। इस उम्र में सही-गलत को पहचानने की समझ बच्चे में विकसित हो रही होती है इसलिए माता-पिता सिगरेट, तंबाकू, अल्कोहल, ड्रग्स आदि से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। उसका डेली रुटीन सही हो, जिसमें उसे समय पर सोने व उठने, भोजन करने, पढ़ने, आराम करने व तनाव से दूर रहने की सलाह दी जाए। लड़के-लड़की दोनों को सेहत के प्रति सजग बनाएं ताकि वे किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक परेशानी को छिपाएं नहीं बल्कि माता-पिता या घर में अन्य से साझा कर सकें। उसे इंडोर और आउटडोर फिजिकल एक्टिविटी के लिए प्रेरित करें। कैल्शियम से हड्डियों की मजबूती शरीर के अहम अंगों की कार्यक्षमता को बरकरार रखने के लिए बच्चे की डाइट में हाई प्रोटीन और कैल्शियम युक्त भोजन होना चाहिए। बॉडी बिल्डिंग के लिए विटामिन-बी और सी से भरपूर चीजें जैसे केला, पपीता, संतरा, पालक, अंडे, शहद, फिश, दाल आदि ज्यादा लें। कैल्शियम और अन्य जरूरी न्यूट्रिएंट के लिए डाइट में दूध व दूध से बनी चीजें और सूखे मेवों को शामिल करें। मौसमी सब्जियां और फल शरीर की जरूरत को पूरा करने में सहायक होते हैं।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है।

बारिश के मौसम में हो सकती है स्किन एलर्जी

मानसून के इस सीजन में स्किन एलर्जी होने का बड़ा कारण है मॉइश्चर। नमी में कई तरह के बेक्टीरिया भी पैदा होते हैं, साथ ही हाउस डस्ट माइट की वजह से भी एलर्जी हो सकती है। इसलिए इस समय घर और बाथरूम में सीलन न पैदा होने दें। धूप आने दें ताकि कीटाणु और फंगस खत्म हो जाएं और पर्दे, कारपेट, गिलाफ आदि को समय-समय पर धोते रहें।

सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के क्या हैं कारण

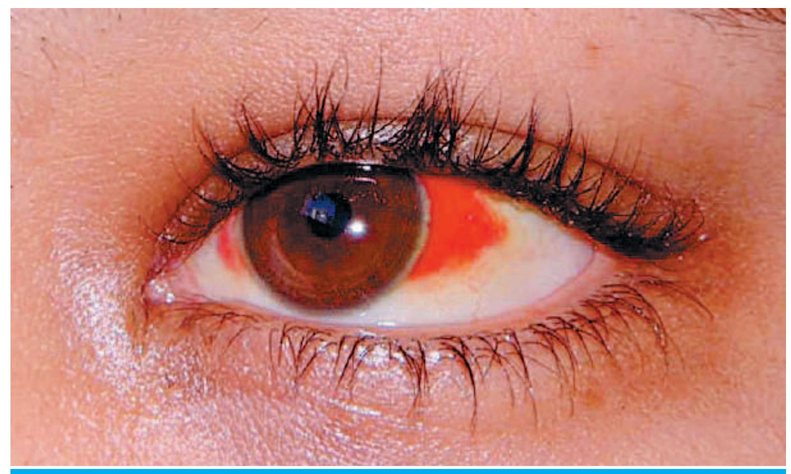

जब छोटे, नाजुक ब्लड वेसल्स आंख के सफेद कवर के नीचे टिश्यु को चोट पहुंचने लगते है, तो आंख में लाली आ जाती है। और इसका अर्थ यह है कि आपको सबकंजंक्टिवल हेमोरेज हुआ है। यानी सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आंख के सफेद हिस्से में प्रदर्शित होने वाला लाल चमकदार पैच है। यह समस्या कई समस्याओं में से एक है जिसे रेड आई कहा जाता है। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आमतौर पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति के बावजूद भी किसी भी प्रकार की दृष्टि समस्याओं या आंख में असुविधा का कारण नही होता है।

आंख का सफेद भाग (श्वेतपटल) क्लियर टिश्यु की पतली परत के साथ कवर होता है, जिसे बल्बर कंजाक्टिवा कहा जाता है। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज तब होता है, जब छोटे ब्लड वेसल्स खुल कर टूट जाते है और कंजाक्टिवा के अंदर बहने लगते है। यह ब्लड अक्सर दिखाई देता है, लेकिन जब तक यह कंजाक्टिवा के भीतर ही सीमित होता है तो इसे दूर और साफ नहीं किया जा सकता है। समस्या चोट के बिना होती है और अक्सर इसे पहली बार नोटिस उठने के बाद आईने के सामने आने से किया जाता है।

लेकिन आंखों की लाली आंख की अन्य गंभीर समस्याओं के प्रकार का संकेत हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी आंख से डिस्चार्ज हो रहा हो तो आंख की जांच के लिए अपने नेत्र चिकित्सक से संपर्क करें। ताकी संक्रमण के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया, वायरस या अन्य सूक्ष्मजीवों की जांच की जा सकें। अगर आपको आंखें में अचानक परिवर्तन के साथ लगातार लालिमा और दर्द या प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का अनुभव हो तो तुरंत अपने आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें। इस तरह की आंखों में लाली अन्य प्रकार की आंख की समस्या जैसे अचानक मोतियाबिंद के शुरूआत का संकेत हो सकंता है। आंखों में खून, सबकंजंक्टिवल हेमोरेज से आंख में ब्लड आमतौर पर एक या दो सप्ताह के भीतर गायब हो जाता है। हालांकि यह हमेशा समस्या के स्रोत की पहचान करने के लिए संभव नहीं है, लेकिन सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के कुछ संभावित कारणों में शामिल हैं-

■ आंखों में चोट, ■ आंखों को मलना, ■ वायरल संक्रमण, ■ अचानक दबाव का बढ़ना जैसे छींकना या खांसना , ■ ब्लड को पतला करने वाली दवाएं, ■ हाई ब्लड प्रेशर, ■ आंख की सर्जरी जिसमें लेसिक और मोतियाबिंद सर्जरी शामिल है, ■ कम मामलों में रक्त के थक्के की समस्या या विटामिन की कमी विटामिन के रक्त के थक्के के कामकाज को बढ़ावा देने वाला आवश्यक प्रोटीन है। ■ सबकंजंक्टिवल हेमोरेज नवजात शिशुओं में बहुत ही आम है। ऐसा प्रसव के दौरान नवजात शिशुओं के शरीर पर दबाव में परिवर्तन के कारण होता है।

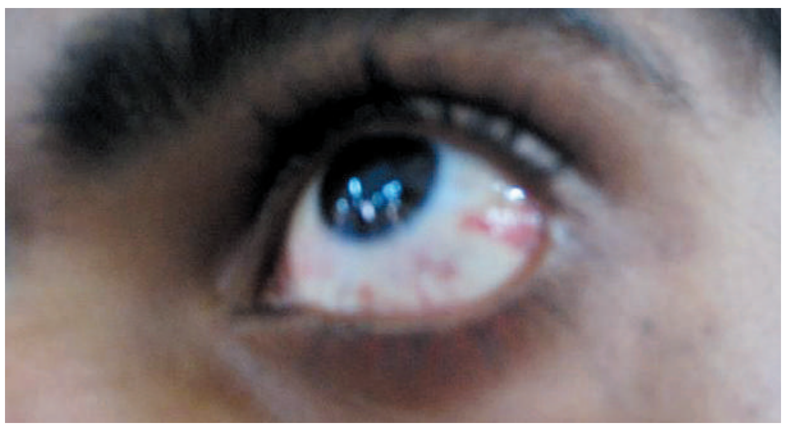

लक्षण

- इस समस्या के होने पर आंख के सफेद हिस्से में चमकदार लाल पैच आने लगते है।
- यह पैच दर्दरहित होता है।
- आंख से किसी प्रकार का डिस्चार्ज नहीं होता।
- आंखों की रोशनी पर भी असर नहीं पड़ता।

इलाज

सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के लिए किसी भी इलाज की जरूरत नहीं होती है। बस आपके रक्तचाप की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आमतौर पर 2-3 सप्ताह के अंदर अपने आप ही दूर हो जाता है। लेकिन प्रभावित हिस्से पर खरोंच की तरह है, रंग बदल सकते हैं। आमतौर पर इसमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होती, लेकिन कुछ मामलों में सबकंजंक्टिवल हेमोरेज बुजुर्ग व्यक्तियों में गंभीर वैस्कुलर डिस्ऑर्डर का संकेत हो सकता है।

ध्यान रहे

- समस्या होने पर लुब्रिकेट आई ड्रॉप आंखों को आराम पहुंचाने में मदद करते है, हालांकि यह आई ड्रॉप टूटी हुई ब्लड वेसल्स की मरम्मत में मदद नहीं कर सकते है।
- अगर आप खून को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं तो इसे लेना तब तक बंद न करें जब तक आपका डॉक्टर आपको ऐसा न करने के निर्देश नहीं देता।
- आंखों को रगड़ने से बचें, क्योंकि सही शुरूआत के बाद यह फिर से खून बहने के खतरे को बढ़ा सकता है।

जानें क्या है ड्रेस सिंड्रोम

ड्रेस सिंड्रोम (ड्रग रश विध एओसिनोफिलिया एंड सिस्टमिक सिम्टम्स), एक प्रतिकूल प्रतिक्रिया शब्द है, जोकि वर्तमान में 10 प्रतिशत तक की अनुमानित मृत्यु दर के साथ एक अतिसंवेदनशीलता प्रतिक्रिया का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह एक दवा के लिए गंभीर, विशेष स्वभाव वाला मल्टीसिस्टम प्रतिक्रिया होती है। ड्रग रश विध एओसिनोफिलिया एंड सिस्टमिक सिम्टम्स (DRESS), एक ऐसा सिंड्रोम है, जो कि कुछ दवाओं के कारण होता है, जिनके चलते आंतरिक अंगों की सूजन, दाने, बुखार, लिम्फाडेनोपैथी तथा हेमटोलॉजिकल असामान्यताएं जैसे थ्रोम्बोसाइटोपेनिया आदि होते हैं। इस सिड्रोम में मृत्यु दर दल प्रतिशत तक होती है। इसके उपचार में जोखिम पैदा करने वाली दवा को के प्रभाव को रोका जाता है और सहायक देखभाल उपलब्ध कराई जाती है।

लक्षण और निदान

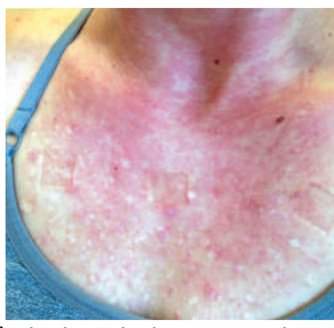

ड्रेस सिंड्रोम का प्रभाव सबसे अधिक, नुक़सान पहुंचाने वाली दवा के प्रभाव शुरू करने के दो से आठ सप्ताह बाद प्रकट होता है। इस दवा का प्रभाव एक दिन के भीतर दोबार भी हो सकता है। प्रारंभिक सुधार के बाद भी इसके लक्षण दवा को रोकने के बाद तीन से चार सप्ताह के भीतर दोबारा भड़क सकते हैं। रोग में मरीजों को नियमित रूप से जल्दी-जल्दी बुखार आता है, और चकत्ते भी विकसित हो जाते हैं। ये लक्षण हल्के से दाने से लेकर फफोले पड़ने तथा त्वचा निकलने तक हो सकते हैं। लेकिन अधिकतर इसमें खुजली, या धब्बेदार पर्विल होता है, जोकि छोटे व बड़े दाने तथा वेसिक्लेस पैदा कर सकता है। लगातार बदलते लक्षणों की वजह से सिंड्रोम के निदान में मुश्किल हो सकती है। इस तरह के दाने, बुखार, और ऑर्गन इंवाल्वमेंट जैसे लक्षण अन्य कई कारणों की वजह से भी हो सकते हैं। इसके निदान में निम्न चरण शामिल हो सकते हैं-

- अस्पताल में भर्ती करना
- रिएक्शन दवा संबंधित होने का संदेह
- त्वचा पर लाल चकत्ते
- 38 डिग्री सेल्सियस तक बुखार
- दो स्थलों पर बढ़े हुए लिम्फ नोड्स
- कम से कम एक आंतरिक अंग की भागीदारी

ड्रेस सिंड्रोम के कारण

वे दवाएं जिनकी वजह से ड्रेस सिंड्रोम होता है, में फेनोबार्बिटल, कार्बमाजेपाइन, फेनीटोइन, लैमोट्रिन, मिनॉयक्लीन, सुल्फोनमीडेस, एलोप्यूरिनॉल, मोडेफिनिल तथा डाप्सोन आदि शामिल हैं। इस सिड्रोम के साथ HHV6 को भी संबद्ध किया गया है।

अनूठी तिरंगा अहिंसा कार रैली 2 अक्टूबर को

200 से अधिक कारें और 1200 प्रतिभागी होंगे शामिल

हैदराबाद में 2 अक्टूबर को एक अनूठी तिरंगा अहिंसा कार रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में 200 से अधिक कारें और 1200 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। लगभग 23 किलोमीटर लंबी यह अत्यंत अनुशासित काफिले वाली रैली महात्मा गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री जयंती, जैन मुनि 1008 पूज्य आचार्य ज्ञानचंद्र जी महाराज जी के जन्मदिन तथा संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर निकाली जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र 2 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन महात्मा गांधी के जन्मदिन के साथ जुड़ा है और शांति व अहिंसा के सार्वभौमिक संदेश को बढ़ावा देता है।

आयोजकों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है और उनसे रैली को हरी झंडी दिखाने का अनुरोध किया है। उनकी पुष्टि अभी प्रतीक्षित है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री महेश भगवत ने सहमति दे दी है।

यह रैली श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, ग्रेटर हैदराबाद – कचीगुडा द्वारा आयोजित की जा रही है। इसे एक समावेशी सार्वजनिक पहल के रूप में पेश किया गया है, जिसमें विभिन्न धर्मों और पृष्ठभूमियों के लोग भाग लेने वाले हैं। आयोजकों के अनुसार, यह रैली अहिंसा, शांति, भाईचारा, धार्मिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को सार्वजनिक उत्सव का रूप देने का प्रयास है।

रैली सुबह 6:30 बजे जल विहार, नेकलेस रोड से शुरू होगी और लगभग 23 किलोमीटर का सफर तय करके सुबह 9:30 बजे जल विहार पर ही समापन समारोह के साथ समाप्त होगी। प्रस्तावित मार्ग सचिवालय, टैंक बंड, रानीगंज, पैराडाइस, बेगमपेट, सोमाजीगुडा, राज भवन रोड, खैरताबाद और लकड़ी–का–पुल से होकर गुजरेगा।

आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह रैली किसी रेस की तरह नहीं, बल्कि सख्त अनुशासित काफिले के रूप में संचालित होगी। प्रत्येक प्रतिभागी वाहन को एक नंबर आवंटित किया जाएगा और प्रतिभागियों को पूरे मार्ग पर निर्धारित क्रम बनाए रखना होगा। काफिले की गति

लगभग 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा रखी जाएगी।

लगभग हर 50 कारों के अंतराल पर तीन डीजे वाहन तैनात किए जाएंगे, जो पूरे सफर के दौरान देशभक्ति संगीत बजाएंगे। प्रत्येक भाग लेने वाली कार भारतीय तिरंगा और जैन धर्म का ध्वज लेकर चलेगी। कई वाहनों को विशेष रूप से सजाया जाएगा।

रैली में वरिष्ठ नागरिकों की कारें और महिलाओं की कारें जैसी विशेष श्रेणियां भी शामिल होंगी, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। एक विशेष समावेशी पहल के तहत अनाथ बच्चों को लक्जरी और विंटेज कारों में बैठकर रैली का अनुभव कराने की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने अनाथ बच्चों के साथ काम करने वाले एनजीओ से अपील की है कि वे बच्चों को नामित करें। कई लक्जरी और विंटेज कारें इस शांति की जॉली राइड में भाग लेने वाली हैं।

प्रतिभागी जियो और जीने दो, सबसे प्रेम करो, किसी से द्वेष न करो, भाईचारा, जल है तो कल है, स्वच्छ भारत जैसे संदेशों वाले प्लेकार्ड लेकर चलेंगे। ये संदेश राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सद्भाव, शांति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देंगे।

रैली जैन धर्म के शाश्वत संदेश अहिंसा परमो धर्मः और जियो और जीने दो की भावना के साथ गांधीवादी अहिंसा के दर्शन को भी उजागर करेगी। आयोजकों का व्यापक संदेश है – राष्ट्र पहले, धर्म बाद में। उनका कहना है कि आस्था व्यक्तिगत विश्वास का विषय है, लेकिन शांति, राष्ट्रीय एकता और जिम्मेदार नागरिकता हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। सुरक्षा और यातायात अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रत्येक प्रतिभागी की जांच की जा रही है तथा वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन बीमा की जांच अनिवार्य है। पूरे मार्ग पर एम्बुलेंस रैली के साथ रहेगी।

काफिले का समन्वय इस तरह किया जाएगा कि आम जनता को न्यूनतम असुविधा हो और आपातकालीन वाहनों का मार्ग अवरुद्ध न हो। प्रतिभागियों को यातायात नियमों का पालन करने और काफिले में अपनी निर्धारित स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए जाएंगे।

रैली में भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं है। पूरा आयोजन आयोजकों और समान विचारधारा वाले संगठनों द्वारा वित्तपोषित है, ताकि लोग बिना किसी आर्थिक बोझ के भाग ले सकें। आयोजक परिवारों, युवाओं और विभिन्न समुदायों के नागरिकों से इस आयोजन में भाग लेने और शांति व राष्ट्रीय एकता के सामूहिक संदेश से जुड़ने की अपील कर रहे हैं।

सजाए गए वाहनों की रचनात्मकता और प्रस्तुति के लिए पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः 5,000 रुपये, 3,000 रुपये और 2,000 रुपये के नकद पुरस्कार होंगे। इसके अलावा सात सांत्वना पुरस्कार 1,500 रुपये के होंगे।

यह रैली कुछ वर्ष पहले नई दिल्ली में जैन समुदाय द्वारा आयोजित समान पहल से प्रेरित है। हैदराबाद की यह पहल अहिंसा, राष्ट्रीय गौरव और विविधता में एकता की विशिष्ट सार्वजनिक अभिव्यक्ति के रूप में की गई है।

ग्रैंड तिरंगा अहिंसा कार रैली का समन्वय मुख्य संयोजक मनोज कोठारी, धर्मेंद्र नाहर, प्रशांत कोचेता, अनराज बाटना, नेमीचंद बुखिया, सुरेश गुंडेचा और प्रेम कोठारी द्वारा किया जा रहा है। ये सभी रैली की योजना, समन्वय और क्रियान्वयन की देखरेख कर रहे हैं।

रैली को कई प्रायोजकों और शुभचिंतकों का समर्थन प्राप्त है। प्रवेष मोटर्स (टीवीएस थ्री–व्हीलर के अधिकृत डीलर) टाइटल स्पॉन्सर हैं। रिद्धि बिल्डर्स (कांतिलाल धर्मेंद्र नाहर) फ्लैग–ऑफ स्पॉन्सर हैं। गोकुल उद्योग (विनोद कुमार, विक्रम और अनुराग खिंटी) ब्रेकफास्ट स्पॉन्सर हैं, जबकि शांति फॉरेक्स गिफ्ट स्पॉन्सर हैं।

संपादकीय

हम चैंपियन भी, पिछड़े भी

आज खेल की कुछ बातें करते हैं। भारत की खेल-शक्ति और प्रतिभाओं में झांक कर देखते हैं। जापान में एशियाई खेल जारी हैं। रविवार तक भारत मेडल 4 स्वर्ण पदक, 17 रजत और 18 कांस्य पदकों सहित कुल 39 पदक जीत चुका है। क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, बॉक्सिंग आदि खेलों में पदक अभी प्रतीक्षित हैं, लेकिन हम आश्वस्त हैं कि पदक जीतेंगे। कबड्डी की पुरुष और महिला टीमें अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी ईरान की टीमों को परास्त कर 'स्वर्णिम उपलब्धि' हासिल कर चुकी हैं। यह भारत की मिट्टी और ग्रामीण अंचल का खेल है, जिसके हम सनातन चैंपियन हैं। पुरुष टीम ने 9वीं बार और महिला टीम ने चौथी बार कबड्डी में 'स्वर्णिम बादशाहत' साबित की है। देश के बेटे-बेटियों को आसमान-जितनी बधाइयां... ! क्रिकेट में भारत 'विश्व चैंपियन' रहा है। जापान में भी हमारी छोरियों ने एकतरफा मुकाबले में श्रीलंका की टीम को जमीन सुंघा दी और एशियाई खेलों में 'स्वर्ण पदक' जीतने का आगाज़ किया। वैश्विक और ओलिंपिक पदकधारी मीराबाई चानू भारोत्तोलन की ऐसी खिलाड़ी हैं, जिनकी झोली में एशियाई खेलों का पदक नहीं था। उन्होंने 49 किग्रा. भार-वर्ग में 'रजत पदक' हासिल किया। यह उपलब्धि 28 लंबे सालों के बाद नसीब हुई है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भी 'रजत पदक' जीता था, लेकिन उसके बाद भारोत्तोलन की जीत हमसे रूठ गई। अंततः चानू ने उस खालीपन को भरा। इसी तरह मैराथन और ऊंची कूद में क्रमशः 44 और 56 लंबे सालों के बाद एशियाई रजत पदक भारत के हिस्से आए। स्कवैश जैसे गैर-परंपरागत खेल में भी हमारे नवयुवा अभय सिंह और अनाहत सिंह ने 'रजत पदक' जीत कर भारत की उपलब्धियों को समृद्ध किया है। पदकवीरा अनाहत ऐसी पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। बीते रविवार को खेल-प्रतियोगिता के 8वें दिन भारतीय खिलाडियों ने 7 पदक जीते, जिनमें 4 रजत पदक थे। ऊंची कूद में सर्वेश कुशारे, मैराथन में रिकॉर्डधारी सावन बरवाल और लंबी कूद में ऐन्सी सोजन की 'रजतीय' उपलब्धियों के बाद कह सकते हैं कि ऐसे खिलाड़ी ही हमारे 'राष्ट्रीय नायक' हैं। भारत ने मिश्रित निशानेबाजी में भी 'स्वर्ण पदक' हासिल किया। भारत के पास तेजस्विन शंकर, पारुल चौधरी, अंकुश पंघाल, नरेन्द्र बेरवाल, परवीन हुड्डा सरीखे खिलाड़ी मौजूद हैं, जिनमें पदक जीत भी चुके हैं और पदक पक्का भी कर लिया गया है। बहरहाल एशियाई खेलों में भारत अपनी सफलताओं और उपलब्धियों से खुश है, गौरवान्वित महसूस करता है, लेकिन कुछ सवालों के साथ 'असंतुष्ट' भी है। दरअसल चीन, जापान, दक्षिण कोरिया सरीखे देश अंतरराष्ट्रीय और ओलिंपिक के स्तर पर हमसे बहुत आगे हैं। वे हमेशा हमारी तुलना में 'विजयी' रहे हैं, लेकिन अब उज़्बेकिस्तान, कज़ाख़स्तान, थाईलैंड, बहरीन, ईरान और उत्तर कोरिया आदि देशों ने भी भारत से अधिक 'स्वर्ण पदक' जीते हैं और पदक-तालिका में हमसे आगे हैं। भारत एशिया में 12वें स्थान पर है। ओलिंपिक में तो हम इक्का-दुक्का स्वर्ण पदक को तरस जाते हैं। 1970 में भीम सिंह ने आखिरी बार 2.05 मीटर ऊंची कूद लगा कर कांस्य पदक जीता था। उसके बाद अब 2026 में सर्वेश कुशारे ने 2.25 मीटर ऊंची कूद लगाई है और रजत पदक हासिल किया है। इतना फासला क्यों है? क्या 56 लंबे सालों में इस खेल का कोई सफल, पदकवीर खिलाड़ी नहीं बन पाया? चीन, जापान, कोरिया के किशोर उम्र के खिलाड़ी 'विश्व कीर्तिमान' स्थापित कर रहे हैं। कमोबेश वे 'रोबोट' नहीं हैं। बैडमिंटन में पीवी सिंधु का खेल अब थकने लगा है, लेकिन उनके विकल्प तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा का खेल 'अनिश्चित' है। खेलों के लिए 2026-27 का बजट 4479.88 करोड़ रुपए है, जो अभी तक सबसे अधिक है। 'खेलो इंडिया' की 5 सालों (2026-31) की निरंतरता के मद्देनजर और विभिन्न खेल महासंघों की योजनाओं के लिए कुल 36,441 करोड़ रुपए खर्च करने का ऐतिहासिक फैसला किया गया है। लक्ष्य तय किया गया है कि 2036 के ओलिंपिक खेलों में भारत शीर्ष-10 और 2048 में शीर्ष-5 देशों में शामिल होना चाहिए। हमें तो नहीं लगता, क्योंकि भारतीय खिलाडियों में शारीरिक और मानसिक रूप से ऐसी खामियां हैं कि हमारा खेल-हुनर शीर्ष देशों के खिलाडियों की तुलना में कमजोर साबित होता है। यह भी संभव है कि हमारे सभी खिलाडियों को शीर्ष स्तर का प्रशिक्षण भी उपलब्ध नहीं है। बहरहाल एशियाई खेलों की जीत से सबक जरूर सीखना चाहिए। हम उम्मीद करें कि आने वाला समय अच्छे परिणाम लाए।

भारत की खेल-शक्ति और प्रतिभाओं में झांक कर देखते हैं। जापान में एशियाई खेल जारी हैं। रविवार तक भारत मेडल 4 स्वर्ण पदक, 17 रजत और 18 कांस्य पदकों सहित कुल 39 पदक जीत चुका है। क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, बॉक्सिंग आदि खेलों में पदक अभी प्रतीक्षित हैं, लेकिन हम आश्वस्त हैं कि पदक जीतेंगे। कबड्डी की पुरुष और महिला टीमें अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी ईरान की टीमों को परास्त कर 'स्वर्णिम उपलब्धि' हासिल कर चुकी हैं। यह भारत की मिट्टी और ग्रामीण अंचल का खेल है, जिसके हम सनातन चैंपियन हैं। पुरुष टीम ने 9वीं बार और महिला टीम ने चौथी बार कबड्डी में 'स्वर्णिम बादशाहत' साबित की है। देश के बेटे-बेटियों को आसमान-जितनी बधाइयां... ! क्रिकेट में भारत 'विश्व चैंपियन' रहा है। जापान में भी हमारी छोरियों ने एकतरफा मुकाबले में श्रीलंका की टीम को जमीन सुंघा दी और एशियाई खेलों में 'स्वर्ण पदक' जीतने का आगाज़ किया। वैश्विक और ओलिंपिक पदकधारी मीराबाई चानू भारोत्तोलन की ऐसी खिलाड़ी हैं, जिनकी झोली में एशियाई खेलों का पदक नहीं था। उन्होंने 49 किग्रा. भार-वर्ग में 'रजत पदक' हासिल किया। यह उपलब्धि 28 लंबे सालों के बाद नसीब हुई है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भी 'रजत पदक' जीता था, लेकिन उसके बाद भारोत्तोलन की जीत हमसे रूठ गई। अंततः चानू ने उस खालीपन को भरा। इसी तरह मैराथन और ऊंची कूद में क्रमशः 44 और 56 लंबे सालों के बाद एशियाई रजत पदक भारत के हिस्से आए। स्कवैश जैसे गैर-परंपरागत खेल में भी हमारे नवयुवा अभय सिंह और अनाहत सिंह ने 'रजत पदक' जीत कर भारत की उपलब्धियों को समृद्ध किया है।

कुछ अलग

अलिखित संविधान

सदस्यों की बातें सुनकर दादी अपनी पुरानी दरार से बाहर निकल आईं। उन्होंने नव गठित परिषद की ओर देखा। फिर दीवार की ओर देखते हुए धीरे से बोलीं, 'जिस समाज को हर दिन नए नियम बनाने पड़ें, समझ लेना कि वह अपने पुराने मूल्य भूलने लगा है।' वे कुछ क्षण रुकीं। फिर मुस्कराकर बोलीं, 'अच्छा संविधान वह नहीं जिसे सबसे अधिक पढ़ा जाए, श्रेष्ठ संविधान वह है, जिसे लोग पढ़े बिना जी लें।' इतना कहकर वे फिर अंधेरे में विलीन हो गईं। सभा देर तक मौन रही। किसी ने उनके शब्दों का अर्थ उस दिन पूरी तरह नहीं समझा। पर काल समझ गया और मुस्कराया, 'सभ्यताएं संविधान लिखकर महान नहीं बनतीं। वे उसे जीकर महान बनती हैं।' उसे मालूम था कि जहां संविधान स्मृति बन जाए, वहां इतिहास को न्यायालयों की आवश्यकता कम पड़ती है। और दरार...वह चुपचाप मुस्कराती रही। उसे मालूम था, 'जिस संविधान की पहली स्याही विश्वास हो, उसे समय भी मिटा नहीं सकता।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

देश दुनिया से

संगीत बेरोजगारों की बात भी समझें

हाल ही में राज्य चयन आयोग द्वारा संगीत प्रवक्ता भर्ती उम्मीदवार याचिका शर्मा द्वारा प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय में याचना करने से विवादों में आ गई है। याचिका कर्ता का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में तो भर्ती नियमों के अनुसार संगीत विषय में 'टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट' आयोजित ही नहीं किया जाता और उनके द्वारा पंजाब राज्य में टैट परीक्षा पास करने के बावजूद भी उनका आवेदन खारिज कर दिया गया। माननीय उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से तीन सप्ताह में जवाब मांगते रिक्त रह गए पदों को बिना टैट परीक्षा पास किए भरने पर रोक लगा दी है। एक और हैरानी की बात है कि वर्तमान बेरोजगारी के दौर में रोजगार की मारामारी में हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग द्वारा विज्ञापित संगीत प्रवक्ता के 118 पदों में से 72 पद खाली रह सकते हैं। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग ने पोस्ट कोड 26021 के अंतर्गत संगीत प्रवक्ता के 118 पद विज्ञापित किए थे जिसके लिए कुल 71 उम्मीदवारों ने आवेदन किया। 18 अगस्त को अंतिम रूप से चयन प्रक्रिया पूरी होने पर केवल 46 पद ही भरे जा सके। इस पूरे प्रकरण में 72 पद विभिन्न कारणों से खाली रह गए। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान में जहां नौकरी पाने के लिए युवाओं में मारधाड़ है, वहीं 72 पद खाली रह जाएं तो इसका गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। ध्यातव्य है कि प्रदेश के बहुत से विद्यालयों, महाविद्यालयों में संगीत गायन और वाद्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में भी एमए और एमफिल की उपाधियों के लिए उच्च शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में एमफिल बंद कर दी गई है। बहुत से विद्यार्थी उच्च शिक्षा में संगीत में पीएचडी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विद्यार्थी पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, पटियाला, अमृतसर, कुरुक्षेत्र तथा दिल्ली तथा अन्य विश्वविद्यालयों से एमए और पीएचडी कर रहे हैं। इस समय प्रदेश में नजर दौड़ाई जाए तो सैंकड़ों युवा संगीत डिग्रीधारी बेरोजगार एमए, एमफिल और पीएचडी उपाधियां प्राप्त कर बैठे हैं। इसके बावजूद संगीत शिक्षकों के पद खाली रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदेश आरएंडपी रूल्स के अनुसार कला स्नातक तथा पाठशाला प्रवक्ता बनने के लिए उम्मीदवार के पास बीएड की डिग्री के साथ टैट की परीक्षा पास होना आवश्यक है। भर्ती नियमों के अनुसार प्रदेश के स्कूल संवर्ग में अन्य विषयों की तरह उम्मीदवार का बीएड होना आवश्यक योग्यता में शामिल है। बीएड करने के लिए विद्यार्थी के पास स्नातक के विषयों में अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत यानी एक भाषा विषय के अतिरिक्त राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, लोक प्रशासन जैसा विषय होना चाहिए। संगीत शिक्षक बनने के लिए संगीत विषय होना भी अनिवार्य है। यदि किसी विद्यार्थी के पास स्नातक में दो भाषाओं के साथ संगीत है तो वह बीएड ही नहीं कर सकता क्योंकि उसके पास किसी और सोशल सांइसेज का विषय भी होना आवश्यक है। हिमाचल विश्वविद्यालय के अधीन प्रदेश में बीएड महाविद्यालयों का एक जाल सा बिछ चुका है, उसमें टीचिंग ऑफ आर्ट्स, टीचिंग ऑफ नॉन मेडिकल, टीचिंग ऑफ मेडिकल, टीचिंग ऑफ कॉमर्स के विषय हैं उन्हें टीजीटी आर्ट्स, मेडिकल, नॉन मेडिकल तथा टीजीटी कॉमर्स के पदों के लिए योग्य समझा जाता है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश के किसी भी शिक्षा महाविद्यालय में 'टीचिंग ऑफ म्यूजिक' विषय नहीं पढ़ाया जाता। प्रदेश में संगीत विषय में टैट की परीक्षा आयोजित नहीं की जाती। इसलिए टीजीटी म्यूजिक या स्कूल लेक्चरर पद नाम के लिए योग्य उम्मीदवार नहीं मिल पाते। अध्यापक भर्ती नियमों के अनुसार जमा एक जमा दो की कक्षाएं पढने के लिए संगीत प्रवक्ता के पद पर भी एमए की उपाधि के साथ बीएड की उपाधि अनिवार्य है। प्रदेश के बहुत से योग्य उम्मीदवार बीएड की उपाधि के दौरान विषय की अनुपलब्धता होने के कारण 'टीचिंग ऑफ म्यूजिक विषय' नहीं ले पाते जिसके कारण बहुत से विद्यार्थी इन पदों के लिए योग्य नहीं हो पाते। प्रदेश के संसाधन युक्त परिवारों के बच्चे प्रदेश के बाहर दूसरे विश्वविद्यालय में 'टीचिंग ऑफ म्यूजिक' के साथ बीएड की उपाधि प्राप्त कर प्रवक्ता बनने की पात्रता के योग्य होकर अवसर का लाभ उठा लेते हैं। बीएड पाठ्यक्रम में 'टीचिंग ऑफ म्यूजिक' विषय न होने के कारण पद की पात्रता की शर्तों को पूरा नहीं कर पाते यही कारण है कि राज्य चयन आयोग द्वारा विज्ञप्ति संगीत के 118 शिक्षकों के पदों में से 72 पद खाली रह जाते हैं। कला संकाय में संगीत जैसे व्यावहारिक विषय को भी अन्य विषयों की वांछित अनिवार्यताओं के साथ हांक दिया जाता है और व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में विषय की अनु उपलब्धता होने के कारण प्रदेश के बहुत से युवा बेरोजगार रह जाते हैं। एक आवश्यक बात और कि यदि प्रदेश में कोई विद्यार्थी संगीत विषय और अन्य विषयों के साथ बीएड की उपाधि प्राप्त कर भी लेता है तब भी वह संगीत अध्यापक बनने के योग्य नहीं है क्योंकि उसने बीएड की उपाधि 'टीचिंग ऑफ म्यूजिक' के साथ प्राप्त नहीं की। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अधीन जो शिक्षा महाविद्यालय है उनमें टीचिंग ऑफ म्यूजिक जैसा विषय भी प्रदान किया जाए ताकि संगीत के विद्यार्थी भी टीजीटी म्यूजिक की उपाधि प्राप्त कर टीजीटी संगीत तथा स्कूल प्रवक्ता बने के योग्य हो सकें। प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में संगीत विषय के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए यह अति आवश्यक है कि वे 'टीचिंग ऑफ म्यूजिक' के साथ अपनी बीएड की उपाधि प्राप्त कर तथा टैट परीक्षा पास कर इन पदों की वांछित और अनिवार्य योग्यता के योग्य हो सकें।

आप का नज़रिया

हिमाचल में स्पंज सिटी

हिमाचल के शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह का ब्राजील भ्रमण अगर पर्वतीय शहरों के लिए भविष्य की योजनाएं ला रहा है, तो यह दिशा परिवर्तन का एक अहम पड़ाव हो सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में 'स्पंज शहर' की अवधारणा में शिमला, धर्मशाला व मनाली जैसे शहरों पर आधारित अध्ययन की कसौटी में योजनाएं बनाने का विचार पैदा हुआ है। हम हिमाचली शहरों को जहां ले आए हैं, वहां जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, प्रकृतिक संपदा और विकास की महत्त्वाकांक्षा से संघर्ष जारी है। चीन ने 2013 से ही इस संदर्भ में परियोजनाएं बनानी शुरू कीं और उसके नतीजे में अब अमरीका, जर्मनी व ब्राजील जैसे देश भी शहरी नियोजन, लैंडस्केप और आर्किटेक्चर को नए मुकाम पर लाने में सफल हुए हैं। ब्राजील ने 5570 नगर निकायों की मैपिंग करके 1942 क्षेत्रों को बाढ़ की परिस्थितियों से उबारा है। हिमाचल में मंडी के थुनाग में बाढ़ के कारणों में नदी के प्राकृतिक रास्ते पर अतिक्रमण, बेतरतीब निर्माण और भौगोलिक संवेदनशीलता को नजरअंदाज करके हो रहा विकास चिन्हित हुआ है। इतना ही नहीं विद्युत व जलापूर्ति के लिए कोई ऐसा खाका नहीं कि जिसे आबादियों के नियोजन के साथ जोड़ा जा सके। अकसर बिजली के पोल या तो सडक़ों के किनारे घातक परिस्थितियां पैदा करते हैं या जलापूर्ति की पाइपें अपने रिसाव से परिवेश को जख्मी करती हैं। ऐसे में स्पंज सिटी के ख्वाब तभी पूरे होंगे जब हर महकमें की विकास परियोजनाएं तथा शहरी नियोजन के विकल्प पूरी तरह भविष्य की परिकल्पा में नियोजित होंगे। विश्व के दस देशों में 250 के करीब परियोजनाएं इस दिशा में चल रही हैं ताकि प्रकृति के रौद्र रूप, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और बाढ़ जैसी स्थितियों का स्थानीय निवारण हो सके। ब्राजील ने रेन गार्डन, ग्रीन रूफ तथा रेजिडेंशियल वाटर स्टोरेज टैंक से उपचार करके जल प्रबंधन किया है। हिमाचल में प्रेम कुमार धूमल सरकार ने वाटर शेड परियोजनाओं के अलावा रेन हार्वेस्टिंग अपना कर भविष्य का मूलमंत्र खोजा था, मगर उसके प्रति न जनता और न ही विभाग आगे बढ़े। हरित अधोसंरचना के लिए यह आवश्यक है कि वार्षिक बरसात के 70 से 90 प्रतिशत पानी का संग्रहण किया जाए। कमोबेश यह उद्देश्य हमीरपुर जिला में वर्षों से खातरियों में जल संग्रहण की परंपरा में दिखाई देता है, तो कांगड़ा जिला में कूहलों के जरिए जल सिंचाई का नेट वर्क बना था। अफसोस यह कि कूहलों पर अतिक्रमण के अलावा खड्डों व नदियों के किनारे बेतरतीब निर्माण ने बाधाएं उत्पन्न कर दीं। हिमाचल में स्पंज सिटी का संकल्प कायम करना है, तो वाटर बॉडीज का संरक्षण व इनकी सक्रिय भूमिका को अंगीकार करना होगा। शहरों के साथ बहते नदी-नालों व खड्डों का तटीकरण तथा बरसाती पानी के संग्रहण की व्यवस्था जरूरी है। मंडी शहर के एक नाले से हुई छेड़छाड़ ने पिछले साल की बाढ़ से शहर का हुलिया बिगाड़ दिया था, तो दो साल पहले धर्मशाला के भागसूनाथ में नाले के अतिक्रमण ने विकास के जर्जर अध्याय खोल दिए थे। कृषि एवं बागबानी विश्वविद्यालय को खेत से बागीचों तक बारिश के पानी को रोकने के लिए प्रयोग की जरूरत है। बहरहाल हिमाचल को हरित प्रदेश बनाने तथा शहरों में प्रकृति आधारित समाधान करने की जरूरत है। बेशक इलेक्ट्रिक बसें भी एक समाधान की ओर ले जा रही हैं, लेकिन शहरी योजनाओं-परियोजनाओं तथा नियोजन में आम जनता के हिस्से की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी।

हिमाचल में मंडी के थुनाग में बाढ़ के कारणों में नदी के प्राकृतिक रास्ते पर अतिक्रमण, बेतरतीब निर्माण और भौगोलिक संवेदनशीलता को नजरअंदाज करके हो रहा विकास चिन्हित हुआ है। इतना ही नहीं विद्युत व जलापूर्ति के लिए कोई ऐसा खाका नहीं कि जिसे आबादियों के नियोजन के साथ जोड़ा जा सके। अकसर बिजली के पोल या तो सडक़ों के किनारे घातक परिस्थितियां पैदा करते हैं या जलापूर्ति की पाइपें अपने रिसाव से परिवेश को जख्मी करती हैं। ऐसे में स्पंज सिटी के ख्वाब तभी पूरे होंगे जब हर महकमें की विकास परियोजनाएं तथा शहरी नियोजन के विकल्प पूरी तरह भविष्य की परिकल्पा में नियोजित होंगे। विश्व के दस देशों में 250 के करीब परियोजनाएं इस दिशा में चल रही हैं ताकि प्रकृति के रौद्र रूप, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और बाढ़ जैसी स्थितियों का स्थानीय निवारण हो सके। ब्राजील ने रेन गार्डन, ग्रीन रूफ तथा रेजिडेंशियल वाटर स्टोरेज टैंक से उपचार करके जल प्रबंधन किया है। हिमाचल में प्रेम कुमार धूमल सरकार ने वाटर शेड परियोजनाओं के अलावा रेन हार्वेस्टिंग अपना कर भविष्य का मूलमंत्र खोजा था, मगर उसके प्रति न जनता और न ही विभाग आगे बढ़े। हरित अधोसंरचना के लिए यह आवश्यक है कि वार्षिक बरसात के 70 से 90 प्रतिशत पानी का संग्रहण किया जाए। कमोबेश यह उद्देश्य हमीरपुर जिला में वर्षों से खातरियों में जल संग्रहण की परंपरा में दिखाई देता है, तो कांगड़ा जिला में कूहलों के जरिए जल सिंचाई का नेट वर्क बना था। अफसोस यह कि कूहलों पर अतिक्रमण के अलावा खड्डों व नदियों के किनारे बेतरतीब निर्माण ने बाधाएं उत्पन्न कर दीं। हिमाचल में स्पंज सिटी का संकल्प कायम करना है, तो वाटर बॉडीज का संरक्षण व इनकी सक्रिय भूमिका को अंगीकार करना होगा।

दृष्टिकोण

मुफ्तखोरी क्या अब बनेगी वैश्विक समस्या?

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टेब तक पहुंच चुकी है। राजनैतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज़ का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज़ को जन कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। इसी प्रकार की फ्रीबीज़ की घोषणाएं कुछ अन्य देशों में भी देखने और सुनने को मिलने लगी हैं। कुछ दिन पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यस्क लोगों को 5 हजार डॉलर देने की पेशकश की गई है, जिसमें शर्त यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को अमरीकी संसद यानी हाउस और सेनेट में जीत हासिल हो। यानी अमरीका में मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर अमरीकी मतदाताओं को सीधे तौर पर यह पेशकश है कि आप ट्रंप की पार्टी को वोट दीजिए और आपको 5 हजार डॉलर दिए जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि अमरीका से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां भारत के प्रजातंत्र के बारे में टिप्पणियां तो करती ही हैं, भारतीय प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण चुनाव एवं सत्ता हस्तांतरण, प्रेस, मीडिया और बोलने की स्वतंत्रता, स्वायत्त न्याय पालिका एवं अन्य संस्थाओं के बावजूद भारतीय प्रजातंत्र को अत्यंत निचले स्तर पर रेटिंग की जाती है। हालांकि पिछले कुछ समय से ये एजेंसियां अमरीकी प्रजातंत्र की भी रेटिंग गिरा रही है। लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति द्वारा सीधे तौर पर वोट के बदले नोट देने की पेशकश, दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे रही है कि क्या अब विकास, स्वच्छ प्रशासन, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आमजन के लिए सुविधाओं की बजाय फ्रीबीज़ के आधार पर प्रजातंत्र में मतदाता वोट डाला करेंगे। ऐसे में यदि सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल वोटरों को राशि देने की पेशकश करने में प्रतिस्पर्धा करने लगे तो उसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा। यानी यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद डेमोक्रेट पार्टी इस राशि से ज्यादा की पेशकश कर दे, तो क्या होगा? यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता यहां रुकने वाली नहीं है, यह नीचे राज्यों तक जाएगी और वहां गवर्नर की रेस में लगे दल भी इसी प्रकार की पेशकश करने लगे, तो उसका असर जन सेवाओं पर कितना पड़ सकता है, इसका अंदाजा भारत में इस प्रतिस्पर्धा से लगाया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरुआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत के महालेखाकार और अकेंक्षक (कैग) के अनुसार 2024-25 में पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में कुल सरकारी खर्च के 13.5 प्रतिशत से ज्यादा इस प्रकार की योजनाओं मे खर्च हो रहा था। हालांकि तमिलनाडु और दिल्ली इन मुफ्तखोरी योजनाओं के खासे चर्चित उदाहरण रहे हैं, लेकिन इन राज्यों में सरकारी कर्ज सरकारी खातों में दिखाई नहीं देता, लेकिन यह इसलिए है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति सरकारी राजस्व, राष्ट्रीय औसत के दुगने से भी अधिक है। इसका अप्रत्यक्ष कारण यह है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगनी से भी अधिक है। कमोबेश यही स्थिति तमिलनाडु की भी है।

महिला 4X400 मीटर रिले में बेटियों का सुनहरा दौड़, भारत को छठा स्वर्ण

एशियन गेम्स 2026 मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	143	62	49	254
2	जापान	45	71	66	182
3	साउथ कोरिया	24	27	44	95
4	उज्बेकिस्तान	14	17	13	44
5	थाईलैंड	12	9	12	33
6	ईरान	10	16	11	37
7	बहरीन	10	5	4	19
8	कज़ाकिस्तान	9	14	25	48
9	उत्तर कोरिया	7	5	6	18
10	भारत	6	21	26	53

नगोया, जापान। एशियन गेम्स 2026 में भारत को छठा स्वर्ण पदक मिल गया है। यह पदक महिलाओं की 4X400 मीटर रिले दौड़ में आया। किरण, मचेतिरा पूवम्मा, प्राची और विथ्या रामराज की भारतीय चौकड़ी ने यह स्वर्ण पदक जीता। भारत ने यह दौड़ 3:29.69 मिनट में पूरी की। वहीं इस स्पर्धा में बहरीन को रजत, जबकि चीन को कांस्य पदक मिला।

लेन छह से भारत ने की रिले की शुरुआत

भारत ने लेन छह से रिले की शुरुआत की और किरण को शुरुआती चरण की जिम्मेदारी सौंपी गई। धाविका किरण ने तीसरे स्थान पर बैटन आगे बढ़ाया। इसके बाद पूवम्मा पर अंतर कम करने की जिम्मेदारी आ गई। अनुभवी पूवम्मा ने दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को आगे कर दिया। इसके बाद उन्होंने प्राची को बैटन सौंपा, जो पहले ही 400 मीटर में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीत चुकी थीं।

प्राची ने संभाली मजबूत स्थिति

प्राची ने भारत को पदक की दौड़ में मजबूती से बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि विथ्या को अंतिम चरण के लिए अच्छी स्थिति में बैटन मिले। इसके बाद आखिरी चरण विथ्या के नाम रहा। विथ्या ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली।

विथ्या रामराज ने दौड़ को फिनिश किया

200 मीटर के निशान के आसपास विथ्या ने अपनी गति तेज की। हालांकि, बहरीन की साल्वा ईद नासर ने पूरी ताकत से पीछा किया और धीरे-धीरे अंतर को कम किया, लेकिन विथ्या ने अंतिम चरण की शुरुआत में ही इतनी बढ़त बना ली थी कि वे इस चुनौती का सामना कर सकें। विथ्या ने दौड़ के आखिरी हिस्से में अपना संयम बनाए रखा और सबसे पहले फिनिश लाइन पार की।

महिला 4X400 मीटर रिले में भारत का दबदबा

एशियन गेम्स में महिलाओं की 4X400 मीटर रिले दौड़ में भारत का हमेशा से दबदबा रहा है। 2002 से अब तक हुए सात एशियन गेम्स में इस स्पर्धा में भारत का यह छठा पदक है। हांगझोऊ में इस स्पर्धा में बहरीन ने स्वर्ण जीता था, जबकि भारत को रजत पदक मिला था। अब एक बार फिर भारतीय महिला टीम एशियन गेम्स में 4X400 मीटर रिले दौड़ की चैंपियन बन गई है।

एथलेटिक्स में सिर्फ एक ही स्वर्ण

एशियन गेम्स 2026 में आज एथलेटिक्स की स्पर्धाओं का आखिरी दिन है। इस बार भारत का यह एथलेटिक्स में पहला और एकमात्र स्वर्ण पदक है। 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में भारत को एथलेटिक्स में छह स्वर्ण पदक मिले थे। इस बार भारत ने एथलेटिक्स में एक स्वर्ण के अलावा नौ रजत और 14 कांस्य पदक जीते। इस तरह एथलेटिक्स में भारत के कुल पदकों की संख्या 24 रही।

गुलवीर सिंह ने पदकों की हैट्रिक लगाई, 75 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी

नगोया, जापान। गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में अपना तीसरा पदक जीत लिया है। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में वह तीसरे स्थान पर रहे। आज एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक है। उन्होंने दौड़ 13:32.75 मिनट में पूरी की। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 13:30.79 मिनट में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं जापान के टोमोनोरी यामागुची ने 13:31.43 मिनट के समय के साथ रजत पदक हासिल किया।

गुलवीर ने लेवी पिंटो की बराबरी की

इस कांस्य पदक से पहले गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में दो रजत पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10,000 मीटर और 1,500 मीटर स्पर्धाओं में दूसरा स्थान हासिल किया था। इसके साथ ही 28 वर्षीय गुलवीर ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में एक ही एशियाई खेलों में तीन पदक जीतने वाले भारत के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 1951 में दिल्ली में हुए पहले एशियाई खेलों में भारत के लेवी पिंटो ने 100 मीटर और 200 मीटर में स्वर्ण तथा चार गुणा 100 मीटर रिले में रजत पदक जीता था।

पीटी उषा ने जीते थे पांच पदक

पीटी उषा ने सियोल में 1986 एशियाई खेलों में चार स्वर्ण के अलावा एक रजत पदक जीता था। वह अभी भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष हैं। मध्यम दूरी की धाविका के. एम. बीनामोल ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में तीन पदक जीते थे। पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 2026 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। वह राष्ट्रमंडल खेलों में इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियन खेल 2026: अंकुश पंघाल ने 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में बनाई जगह, रजत पदक पक्का

आइची-नागोया। भारत के युवा मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियन खेल 2026 में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में अंकुश ने उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन फज़लिद्दीन एर्किनबोएव को 4-1 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले का टिकट कटाया। 20 वर्षीय अंकुश ने मुकाबले में शुरुआत से ही तेज गति और आक्रामक रणनीति के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने एरकिनबोएव की मजबूत रक्षात्मक शैली का प्रभावी ढंग से सामना किया। पांचों जजों ने अंकुश को 10 और एरकिनबोएव को 9 अंक दिए, जिसके बाद भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में 4-1 का फैसला आया। इस जीत के साथ अंकुश ने प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखा है। इससे पहले 27 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान के नेकृज़ सलीमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर पदक पक्का किया था। अंकुश शानदार फार्म के साथ एशियन खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने अगस्त 2026 में ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। 2018 के बाद पहली बार भारतीय पुरुष मुक्केबाज फाइनल में अंकुश की इस उपलब्धि ने भारतीय पुरुष मुक्केबाजी के लिए भी खास रिकार्ड बनाया है। 2018 में अमित पंघाल के 49 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार कोई भारतीय पुरुष मुक्केबाज एशियन खेलों में स्वर्ण पदक मुकाबले तक पहुंचा है। अब अंकुश के सामने एशियन खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की चुनौती होगी।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2026: देहरादून वारियर्स ने यूएसएन इंडियंस को 52 रन से हराया

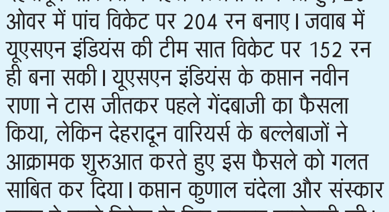

देहरादून। देहरादून वारियर्स ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएसएन इंडियंस को 52 रन से हरा दिया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में देहरादून वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 204 रन बनाए। जवाब में यूएसएन इंडियंस की टीम सात विकेट पर 152 रन ही बना सकी। यूएसएन इंडियंस के कप्तान नवीन राणा ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन देहरादून वारियर्स के बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरुआत करते हुए इस फैसले को गलत साबित कर दिया। कप्तान कुणाल चंदेला और संस्कार रावत ने पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की। संस्कार रावत ने महज 33 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 62 रन की तूफानी पारी खेली। वहीं, कप्तान कुणाल चंदेला ने 50 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। पारी के अंतिम चरण में नीरज सिंह राठौर ने नाबाद 45 रन और पूर्वांश ध्रुव ने चार गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाकर टीम का स्कोर 204 रन तक पहुंचाया।

एशियन खेल 2026 : नीरू धांडा ने ट्रैप में रचा इतिहास, एशियाई रिकार्ड के साथ जीता स्वर्ण

आइची-नागोया

भारतीय निशानेबाज नीरू धांडा ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं की ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। नीरू ने फाइनल में 28 हिट का स्कोर करते हुए नया एशियाई खेल रिकार्ड बनाया। यह इस स्पर्धा में भारत का पहला पदक और एशियन खेल 2026 में भारत का पांचवां स्वर्ण पदक है। साथ ही, यह मौजूदा खेलों में भारत का पहला व्यक्तिगत स्वर्ण भी है।

नीरू ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने कुल 28 निशाने सही लगाए। चीन की निशानेबाज ने 26 हिट के साथ रजत पदक जीता, जबकि कुवैत की खिलाड़ी 21 हिट के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

नीरू का 28 हिट का स्कोर नया एशियाई खेल रिकार्ड भी है। इससे पहले इस स्पर्धा का रिकार्ड 24 हिट का था, जो चीन की लियू वान-यू के नाम था और उन्होंने यह रिकार्ड इसी साल जनवरी में बनाया था।

यह नीरू का एशियन खेल में महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में पहला पदक है। इससे पहले मंगलवार को नीरू, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की भारतीय टीम ने महिलाओं की ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उस मुकाबले में नीरू ने व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में 118 अंक हासिल कर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार रिकार्ड - 25 मई 2000 को हरियाणा के जींद में जन्मीं नीरू धांडा महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में भारत की प्रमुख निशानेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 2022 में ओसियेक में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया।

2025 में नीरू ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता। 2026 में उन्होंने इटली के लोनाटो में आयोजित आईएसएसएफ शाटगन विश्व कप में महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा और इस प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने इसी साल कजाकिस्तान के अलमाटी में आईएसएसएफ विश्व कप के ट्रैप मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य पदक भी जीता।

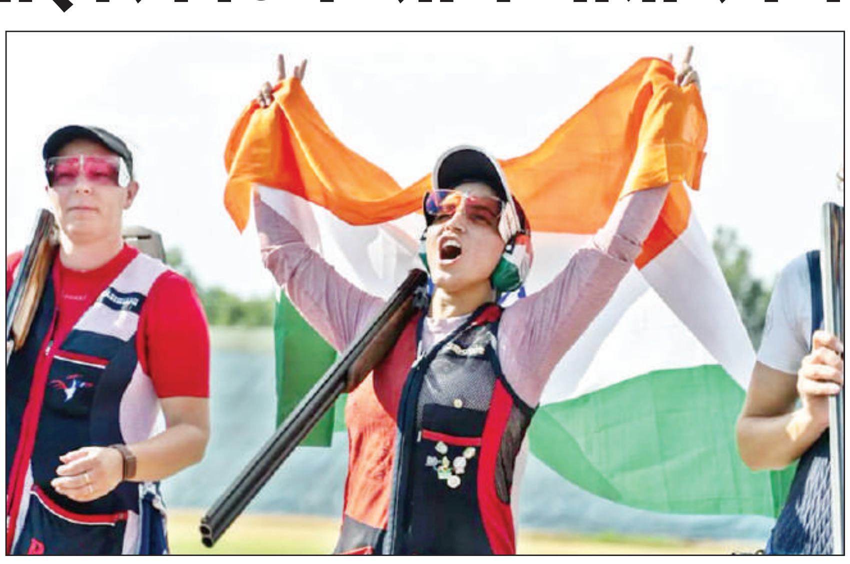

एशियन खेल 2026: परवीन हुड्डा ने 65 किग्रा फाइनल में बनाई जगह, रजत पदक पक्का

आइची-नागोया। भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। निशियो जिम्नेजियम में मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में परवीन ने चीन की ली शू को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। परवीन ने मुकाबले के तीनों राउंड में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में मुक्केबाजी की और ली शू को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से मुकाबला भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में दिया। इस जीत के साथ परवीन ने अपना रजत पदक पक्का कर लिया है और अब वह शुक्रवार को स्वर्ण पदक के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से भिड़ेंगी। परवीन ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबहोर खामिदोवा को 5-0 से हराया था। खामिदोवा 2025 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता हैं। इससे पहले परवीन को शुरुआती दौर में वाकओवर मिला था। पिछले एशियन खेल में परवीन ने कांस्य पदक जीता था। हालांकि, बाद में अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच व्हेयरअबाउट्स नियमों के उल्लंघन के कारण उनका वह पदक छिन गया था। निलंबन पूरा करने के बाद उन्होंने 2025 के अंत में वर्ल्ड बाक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतकर वापसी की थी। इसके बाद राष्ट्रमंडल खेलों में उन्हें शुरुआती मुकाबले में साचा हिकी के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय मुक्केबाजी टीम ने पिछले हांगझोऊ एशियन खेल में चार पदक जीते थे, जिसमें एक रजत और तीन कांस्य शामिल थे। इस बार भारत के कई मुक्केबाज पदक दौर में पहुंच चुके हैं। पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में अंकुश पंघाल और पुरुषों के 90 किग्रा से ऊपर वर्ग में नरेंद्र बेरवाल भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। भारतीय मुक्केबाजी टीम के अन्य खिलाड़ी भी अलग-अलग वर्गों में पदक की दौड़ में बने हुए हैं।

एशियन खेल 2026: भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग में जीता कांस्य

आइची-नागोया

भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने आइची-नागोया एशियन खेल 2026 में पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। नरेंद्र को सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन आइबेक ओरलबे के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद नरेंद्र को कांस्य पदक मिला।

प्रतियोगिता की शुरुआत दमदार अंदाज में की थी। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने थाईलैंड के अदथापोंग सैंगटेप को मुकाबले के महज 97 सेकंड बाद रेफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने के फैसले से हराकर पदक पक्का किया था।

सेमीफाइनल में नरेंद्र ने विश्व चैंपियन ओरलबे को कड़ी चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन कजाकिस्तान के मुक्केबाज ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही नरेंद्र को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

नरेंद्र के लिए यह लगातार दूसरा एशियन खेल कांस्य पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 एशियन खेल में भी कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर अपनी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों में एक और बड़ी कामयाबी जोड़ी थी। हरियाणा के हिसार जिले के सोरखी गांव में 14 नवंबर 1994 को जन्मे नरेंद्र किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कोच देवराज सिहाग के मार्गदर्शन में मुक्केबाजी की शुरुआत की और बाद में भारतीय सेना में शामिल होकर अपने खेल को आगे बढ़ाया। वह भारत के प्रमुख सुपर हेवीवेट मुक्केबाजों में शामिल हैं। नरेंद्र ने युवा स्तर पर यूथ विश्व कप में रजत और यूथ एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

विराट कोहली का नया अवतार : कैफ बोले, खून के आंसू पिए, अब कोई छू नहीं सकता

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने हाल ही में सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली के नए अवतार की जमकर सराहना की है, जिसके बाद कोहली ने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में एक तूफानी शतक जड़ा। कैफ ने कहा कि पिछले साल कोहली को संन्यास लेने की सलाह देने वाले लोग अब उन्हें छूने की हिम्मत भी नहीं कर सकते। 37 वर्षीय कोहली ने 88 गेंदों में नाबाद 139 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे - यह पहली बार था जब उन्होंने एक वनडे पारी में 9 छक्के लगाए। उनकी इस विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने 296 रनों का लक्ष्य 41.4 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। कैफ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में उस समय को याद किया जब अक्टूबर 2025 में आस्ट्रेलिया दौरे पर लगातार दो वनडे मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। उस वक्त कई लोगों ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह तक दे डाली थी। हालांकि, कोहली ने आस्ट्रेलिया में तीसरे वनडे में नाबाद 74 रन बनाकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया था। कैफ ने बताया कि उस घटना के बाद से कोहली ने कुल 11 वनडे पारियां खेली हैं और 900 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें चार शानदार शतक शामिल हैं। कैफ ने टिप्पणी की कि कोहली अब एक बिल्कुल अलग अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया।

एशियन खेल 2026 : पुरुष क्रिकेट के सेमीफाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली

एशियन खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट के सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा। श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाने वाला क्वार्टरफाइनल बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हो गया, जिसके बाद बेहतर वरीयता के आधार पर श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बना ली।

निसिन में लगातार बारिश के कारण मुकाबला टास से पहले ही रद्द करना पड़ा। निर्धारित स्थानीय समय सुबह नौ बजे से कई घंटे पहले ही बारिश शुरू हो गई थी और मैच शुरू होने तक हालात में सुधार नहीं हुआ। श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय टी20 रैंकिंग के आधार पर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ टूर्नामेंट में वरीयता प्राप्त टीमों में शामिल किया गया था। इसी वरीयता के कारण उसे सेमीफाइनल में जगह मिली।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने भी अफगानिस्तान के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल बारिश की भेंट चढ़ने के बाद बेहतर वरीयता के आधार पर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इसी तरह पाकिस्तान ने भी हांगकांग के खिलाफ क्वार्टरफाइनल बारिश के कारण रद्द होने के बाद अंतिम चार में जगह बनाई।

श्रीलंका की टीम 2022 एशियन खेल में क्वार्टरफाइनल में अफगानिस्तान से हारकर बाहर हो गई थी। अब टीम की नजर भारत को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर होगी।

दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश का सामना पाकिस्तान से होगा। बांग्लादेश और मलेशिया के बीच क्वार्टरफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो गया था। दोनों सेमीफाइनल एक अक्टूबर को खेले जाएंगे। पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भारत और श्रीलंका भिड़ेंगे।

भारतीय पुरुष टीम एशियन खेल में अपने खिताब का बचाव करने उतरी है। 2023 हांगझोउ एशियन खेल में भारत ने पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था। भारत और अफगानिस्तान के बीच फाइनल बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत को स्वर्ण पदक दिया गया था। वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आइची-नागोया एशियन खेल में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव कर लिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

यूजेनिक्स हेयर साइंसेज ने बेंगलुरु में शुरू किया विश्वस्तरीय हेयर रिस्टोरेशन केंद्र

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इंदिरानगर में अत्याधुनिक हेयर संस्थान का किया उद्घाटन

वैजाग, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के प्रमुख विशेषीकृत हेयर रिस्टोरेशन संस्थानों में से एक, यूजेनिक्स हेयर साइंसेज ने बेंगलुरु में अपने नए अत्याधुनिक केंद्र की शुरुआत की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इंदिरानगर में स्थित इस नए केंद्र का उद्घाटन किया। इसके साथ ही यूजेनिक्स ने कर्नाटक की राजधानी में अपने विस्तार की शुरुआत की है। केंद्र में उन्नत क्लिनिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुभवी चिकित्सक तथा हेयर रिस्टोरेशन के लिए चिकित्सक-आधारित उपचार सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी।

फेदरलाइट वैंटेज, 100 फीट रोड, डोमलूर में स्थित यह बहुमंजिला केंद्र 6,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला है और इसमें छह ऑपरेशन थिएटर हैं। बेंगलुरु केंद्र देश में यूजेनिक्स का पांचवां केंद्र है। इससे पहले गुरुग्राम, मुंबई, हैदराबाद और भुवनेश्वर में इसके केंद्र संचालित हैं। नया केंद्र बेंगलुरु और कर्नाटक के व्यापक क्षेत्र के मरीजों के लिए यूजेनिक्स की विशेषीकृत सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाएगा।

उद्घाटन के अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, मैं आज यहां व्यक्तिगत रूप से डॉ. प्रदीप और डॉ. अरिका को बेंगलुरु में यूजेनिक्स लाने के लिए बधाई देने के लिए आना चाहता था। कर्नाटक ने हमेशा बड़े सपने देखे हैं। भारत की सिलिकॉन वैली बनने से लेकर हमने आईटी, एयरोस्पेस और बायोटेक्नोलॉजी, हॉस्पिटैलिटी और इसी विरासत के हिस्से के रूप में विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी देश का नेतृत्व किया है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यूजेनिक्स चिकित्सा पर्यटन पर जोर देता है और विश्वस्तरीय, चिकित्सक-आधारित विशेषज्ञता हमारे शहर में ला रहा है, जिससे पूरे भारत और विदेशों के मरीजों को बेंगलुरु चुनने का एक और कारण मिलेगा। मैं यूजेनिक्स का हार्दिक स्वागत करता हूं और डॉ. प्रदीप, डॉ. अरिका तथा उनकी पूरी टीम को इस संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

बेंगलुरु में यूजेनिक्स का विस्तार संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। लगभग दो दशक पहले ऋषिकेश के एक छोटे से बेसमेंट क्लिनिक से शुरू हुई यह यात्रा आज भारत और विदेशों से आने वाले मरीजों को सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थान के रूप में विकसित हो चुकी है। नया केंद्र बेंगलुरु के उन मरीजों की आवश्यकता को भी पूरा करेगा, जिनमें से कई को उपचार के लिए पहले यूजेनिक्स के अन्य केंद्रों की यात्रा करनी पड़ती थी।

यूजेनिक्स हेयर साइंसेज के सह-संस्थापक और एम्स, नई दिल्ली के पूर्व छात्र डॉ. प्रदीप सेठी ने कहा, हमारे बेंगलुरु केंद्र का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया जाना हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण और भावनात्मक उपलब्धि है। हमने दो दशक पहले ऋषिकेश के एक छोटे से बेसमेंट से शुरुआत की थी, इस सरल विश्वास के साथ कि हेयर रिस्टोरेशन को भी किसी अन्य विशेषीकृत चिकित्सा क्षेत्र की तरह ही गंभीरता, सटीकता और व्यक्तिगत ध्यान मिलना चाहिए। बेंगलुरु एक ऐसा शहर है, जो महत्वाकांक्षा और नवाचार का प्रतिनिधित्व करता है और हमें गर्व है कि हम अपना संस्थान यहां लेकर आए हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर नया हो सकता है, लेकिन हर मरीज के प्रति हमारी जिम्मेदारी वही बनी हुई है। यूजेनिक्स हेयर साइंसेज की सह-संस्थापक और एम्स, नई दिल्ली की पूर्व छात्रा डॉ. अरिका बंसल ने कहा, विस्तार तभी सार्थक होता है, जब वह हमें लोगों की बेहतर सेवा करने में सक्षम बनाए। बेंगलुरु में यह विस्तार हमारी क्लिनिकल विशेषज्ञता को उन मरीजों के और करीब लेकर आता है, जो लंबे समय से हमारे अन्य केंद्रों की यात्रा करते रहे हैं।

निस्वार्थ भावना से की गई सेवा ही सच्ची सेवा : कमल मूंदड़ा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के समीप नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की। इस दौरान सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ मानव सेवा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल मूंदड़ा ने कहा कि सेवा कार्य में स्वार्थ नहीं, बल्कि निस्वार्थ भावना होनी चाहिए। जब किसी जरूरतमंद की सहायता बिना किसी अपेक्षा के की जाती है, तभी उस सेवा का वास्तविक महत्व होता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में सेवा का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है और समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

कमल मूंदड़ा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं। अन्नसेवा केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं है, बल्कि यह जरूरतमंद व्यक्ति के प्रति संवेदना और अपनत्व की भावना को प्रकट करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों में दिखावे के बजाय समर्पण और संवेदनशीलता को महत्व दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा को निरंतर आगे बढ़ाना है। सेवा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ जोड़ने और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलालजी गुप्ता, कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ का 'हृदय से क्षमा-अपनों का समागम 2026' संपन्न

'मैं' नहीं, 'हम' की भावना से मजबूत होगा समाज : ललित मंडोत

बेंगलूरु, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु की ओर से प्रिंसेस श्राइन, बेंगलूरु में आयोजित 'हृदय से क्षमा-अपनों का समागम 2026' उत्साह एवं आत्मीयता के साथ संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की सहभागिता से आयोजित इस समागम में पारिवारिक सौहार्द, सामाजिक एकता और मेवाड़ की संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली।

समागम के मुख्य प्रवक्ता राहुल कपूर ने कहा कि समाज की वास्तविक मजबूती एकता, संस्कार और मजबूत परिवारों से होती है। माता-पिता बच्चों को शिक्षा और संपत्ति के साथ संस्कार, जीवन-मूल्य और संस्कृति की विरासत भी दें। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग अनुभव और संस्कारों की धरोहर हैं, जबकि नई पीढ़ी को जैन धर्म, सिद्धांतों और परंपराओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। परिवार बच्चों की पहली पाठशाला है और बच्चे हमारे शब्दों से अधिक हमारे आचरण से सीखते हैं। उन्होंने 'हृदय से क्षमा' की भावना के साथ अहंकार एवं गलतफहमियां छोड़कर प्रेम, संवाद और क्षमा को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

'हम' की भावना से समाज को मिलेगी नई दिशा

नवकार महामंत्र एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अध्यक्षीय संबोधन में ललित मंडोत ने कहा कि यह समागम केवल क्षमा मांगने और देने का अवसर नहीं, बल्कि रिश्तों में मिठास बढ़ाने और समाज को नई दिशा देने का संकल्प है। वरिष्ठों का अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, मातृशक्ति की सहभागिता और बच्चों की नई सोच मिलकर समाज को नई गति दे सकती है। समाज की वास्तविक शक्ति 'मैं' में नहीं, बल्कि 'हम' की भावना में है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों ने समागम में उत्साह का रंग भर दिया। युवा गायक दर्शन चोपड़ा ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ सदस्यों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में मनोरंजन के साथ पारिवारिक आत्मीयता, आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश भी देखने को मिला।

समागम में प्रायोजकों, सह-प्रायोजकों, तपस्वी साधकों एवं समाज के वरिष्ठजनों का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। आयोजन की सफलता में कैबिनेट सदस्यों, प्रभारी-सह प्रभारीगण, कार्यकारिणी टीम एवं समाजबंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोहिया रहे उपस्थित

कार्यक्रम संघ के अध्यक्ष ललित मंडोत, मंत्री सुरेश गन्ना, संयोजक दिनेश पोखरना एवं संगठन मंत्री प्रवीण दक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोहिया की गरिमामय उपस्थिति रही। सोहनलाल मांडोत, शांतिलाल पितलिया, शांतिलाल मेहता, जसवंत गन्ना, कैलाश दलाल, नवरत्न दक, राजेश चावत, विकास मेहता, अनिल गन्ना, प्रवीण बोहरा सहित संघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री सुरेश गन्ना ने किया। रमेश दक एवं नेमीचंद दलाल ने आभार व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लिंग...

यह आत्महत्या है या किसी ने उनकी हत्या की है, प्रशासन ने इस पर चुप्पी साध रखी है और अभी तक उच्च स्तरीय जांच भी गठित नहीं की गई है। प्रशासन से हमारी मांग है कि इस मामले में उच्च स्तरीय जांच गठित कर न्याय किया जाए, ताकि वृंदावन की छवि धूमिल न हो। यदि इस मामले में उच्च स्तरीय जांच गठित कर निष्पक्ष जांच नहीं की गई तो संत समाज बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन से उनकी यह भी मांग है कि वृंदावन में जो भी असामाजिक तत्व संतों के कपड़े पहनकर, लंबी जटाएं, दाढ़ी और तिलक लगाकर घूम रहे हैं, उनकी भी जांच की जाए। वे किस अखाड़े से हैं और किस महात्मा के शिष्य हैं, इन सभी पहलुओं की जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि वृंदावन की भूमि सनातन धर्म का स्तंभ है और इसे पवित्र रखना प्रशासन तथा संत समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने दावा किया कि वृंदावन में चरस, अफीम जैसे मादक पदार्थ भी तेजी से बढ़ रहे हैं और युवा साधु भी इसका शिकार हो रहे हैं।

एक अन्य संत ने आत्महत्या की बात को नकारते हुए आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे जरूर किसी न किसी की साजिश है। उन्होंने कहा कि कोई भी युवा साधु इस तरह अपना निजी अंग काटकर छत से छलांग नहीं लगा सकता। उन्होंने इसे जघन्य अपराध बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो संत समाज आंदोलन करेगा।

नरसंहारक...

उन्होंने कहा, अगर कोई मरीज सरकारी योजना के तहत इलाज करवा रहा है, तो उसका खर्च कौन उठाता है? करदाता। तो फिर सबके लिए एक जैसे नियम क्यों नहीं?

16 प्रतिशत मार्जिन क्यों नहीं

उन्होंने कहा, दवाएं (मूल्य नियंत्रण) आदेश के मुताबिक मार्जिन 16 प्रतिशत होना चाहिए। हर दवा आवश्यक वस्तु अधिनियम के दायरे में आती है। हमें समझ नहीं आता कि उनसे कीमतें इस तरह तय करने के लिए क्यों कहा जाता है।न्यायमूर्ति मेहता ने सॉलिसिटर जनरल से यह भी कहा कि अगर कोई ऐसा फार्मासिस्ट मिल जाए जो बहुत दयालु हो और जरूरतमंद को 2,700 रुपये में दवा देने को तैयार हो, तो मरीज सोचने लगेगा कि दवा असली है या नकली।पीठ ने सवाल किया, सवाल यह है कि कीमत में 10 गुना बढ़ोतरी क्यों? इतना सारा पैसा कहां जाता है? इससे किसे फायदा हो रहा है?

पीठ ने कहा, आखिरकार नुकसान ईमानदार करदाता का ही होता है। हम इस मामले की अच्छी तरह से जांच करेंगे। इसका असर समाज के एक बड़े हिस्से पर पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि पहले तो दवाओं की कीमत का मामला है और फिर चिकित्सा पेशेवरों के नैतिक तौर-तरीकों का।न्यायमूर्ति मेहता ने आगे कहा कि फार्मा कंपनियों को इससे कोई फायदा नहीं हो रहा है और ऐसा लगता है कि फायदा निजी अस्पतालों को हो रहा है।

न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि बिना किसी संयोजन वाली साधारण स्टेटिन की कीमत 40 रुपये है और एस्पिरिन के साथ संयोजन होने पर इसकी कीमत 70 रुपये हो जाती है।पीठ ने सॉलिसिटर जनरल से कहा, ऐसा कैसे हो रहा है? कॉर्पोरेट अस्पताल तो उद्योग हैं। यह कोई सेवा नहीं है। आम आदमी को यह सब क्यों भुगतना पड़े?

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा कि याचिकाकर्ता गलत हैं, लेकिन कोई ऐसा तरीका निकालना होगा जिससे सभी पक्षों के हितों में संतुलन बना रहे। जैसा कि मैं समझता हूं, फार्मा कंपनियों को इससे कोई फायदा नहीं हो रहा है।

दो याचिकाओं पर सुनवाई

पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर के लिए तय की और कहा कि वह इस मुद्दे पर केंद्र का जवाब सुनेगी। सुप्रीम कोर्ट दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें एक याचिका किशनचंद जैन की थी। इस याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि जहां अनुसूचित दवाओं की कीमतें तय यानी अधिकतम सीमा निर्धारित होती हैं, वहीं गैर-अनुसूचित दवाओं के मामले में निर्माताओं को अधिकतम खुदरा कीमत तय करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। बाजार में संख्या और मूल्य के हिसाब से ऐसी दवाएं लगभग 80 प्रतिशत या उससे अधिक हैं। हालांकि, उन्हें सालाना 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की सीमा का पालन करना होता है।

22 सितंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की जरूरी दवाओं की अधिक कीमतों पर हैरानी जताई थी और इसे मरीजों के साथ दिन-दहाड़े डकैती करार दिया था। कोर्ट ने गौर किया था कि एक दवा की अधिकतम खुदरा कीमत 27,000 रुपये थी, जबकि वह खुदरा विक्रेताओं को 2,700 रुपये में सप्लाई की जा रही थी।

कोर्ट ने सवाल किया था कि मरीजों को इस तरह कैसे ठगा जा सकता है और कहा था, यह बहुत हैरानी की बात है कि जिन अधिकारियों को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए, वे चुप हैं।एक याचिका में अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे फार्मा कंपनियों और खुदरा विक्रेताओं द्वारा जरूरी दवाओं की कथित अनैतिक रूप से अधिक कीमतें वसूलने पर रोक लगाकर दवाओं को सस्ता बनाएं।दूसरी याचिका में उन डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है, जो मरीजों को जेनेरिक दवाएं नहीं लिखते हैं।

ट्रैफिक चालान...

जबकि लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के चालान अब भी बकाया हैं। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि बकाया चालान वाले वाहनों को परिवहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है। भुगतान होने तक वाहन के पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) का नवीनीकरण, डुप्लीकेट आरसी जारी करना और वाहन का मालिकाना हक स्थानांतरित करने जैसी सेवाएं रोकी जा सकती हैं। कोर्ट ने कहा कि बकाया चालान वाले वाहनों को फिटनेस प्रमाणपत्र और प्रदूषण प्रमाणपत्र भी जारी नहीं किए जाने चाहिए। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण रोकने या मौजूदा लाइसेंस को निलंबित करने के विकल्प पर भी विचार किया जा सकता है। यह मामला वर्ष 2012 से चल रही एस. राजशेखरन की सड़क सुरक्षा संबंधी जनहित याचिका से जुड़ा है। इसमें ई-चालान व्यवस्था और उनसे संबंधित जुर्माने की वसूली का मुद्दा भी शामिल है।

अमेरिका: कैलिफोर्निया में बकाया न्यायालयी जुर्माना बैंक खाते से वसूला जा सकता है। इसके अलावा वेतन से भी राशि की कटौती की जा सकती है।

ऑस्ट्रेलिया: यहां पहले ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है। इसके बाद आदेश के जरिए बैंक खाते या वेतन से बकाया राशि वसूलने की कार्रवाई की जा सकती है।

नीदरलैंड: समय पर जुर्माना नहीं भरने पर उसकी राशि बढ़ जाती है। भुगतान नहीं करने पर वाहन जब्त किया जा सकता है।

संयुक्त अरब अमीरात: बकाया यातायात जुर्माना चुकाए बिना ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण का नवीनीकरण नहीं किया जाता है।

साथियों ...

अधिकारियों ने बताया कि कठुआ में सेवा-खख जलविद्युत परियोजना इकाई में किसी बात को लेकर सीआईएसएफ जवानों के बीच बहस हो गई। इसी दौरान 2009 बैच के हेड कॉन्स्टेबल अबदेश कुमार ने सीआईएसएफ के ही चार जवानों पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

यह घटना शाम करीब सात बजे हुई। घटना के बाद आरोपी हेड कॉन्स्टेबल को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। वहीं, सीआईएसएफ ने मामले की आंतरिक जांच भी शुरू कर दी है।

इस मामले में सीआईएसएफ मुख्यालय ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। महानिदेशक, सीआईएसएफ पूरी घटना की निगरानी कर रहे हैं। बता दें कि यह इलाका हिमाचल प्रदेश की सीमा के पास स्थित है और इसकी सीमा हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से लगती है।

मोदी डिग्री...

अभिषेक मनु सिंघवी ने जुर्माना लगाए जाने के आधार को चुनौती दी थी। उन्होंने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल ने प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री प्राप्त करने के लिए लगातार दबाव नहीं बनाया था, जैसा कि एकल पीठ ने माना था।

सिंघवी ने यह भी तर्क दिया कि केंद्रीय सूचना आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू की थी और केजरीवाल को किसी औपचारिक आवेदन के बजाय एक पत्र के आधार पर मामले में पक्षकार बनाया गया था। उन्होंने कहा कि यदि डिग्री वास्तव में ऑनलाइन उपलब्ध है और गुजरात विश्वविद्यालय ने उसे सार्वजनिक महत्व को देखते हुए उपलब्ध कराया है, तो यह सूचना का अधिकार अधिनियम के दायरे में आनी चाहिए और कार्रवाई का आधार समाप्त हो जाना चाहिए।

गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि केजरीवाल ने लगातार यह मामला लड़ा और संस्थान को बदनाम करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कीं।

उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट को केजरीवाल पर अपील करने के लिए लागत लगानी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सूचना का अधिकार अधिनियम का गलत इस्तेमाल न हो और सरकारी अधिकारियों का बहुमूल्य समय ऐसी मांगों से नष्ट न हो, जिनसे कानून का उद्देश्य पूरा नहीं होता।

विश्वविद्यालय ने जनहित के दावे पर उठाया था सवाल

2016 में केजरीवाल के पत्र के आधार पर केंद्रीय सूचना आयोग ने दिल्ली विश्वविद्यालय और गुजरात विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। विश्वविद्यालय ने इस आदेश का विरोध करते हुए कहा था कि किसी व्यक्ति की गैर-जिम्मेदाराना जिज्ञासा को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जनहित नहीं माना जा सकता।2023 के फैसले में गुजरात हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यताओं से संबंधित जानकारी पहले से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध थी और उसे सूचना का अधिकार कानून के माध्यम से मांगने के पीछे जनहित का आधार नहीं बनता था। अब खंडपीठ द्वारा अपील खारिज किए जाने के साथ इस स्तर पर केजरीवाल की चुनौती पर हाई कोर्ट की कार्यवाही समाप्त हो गई है।

मौलवी...

इसके बाद मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित के पिता ने 4 जनवरी 2025 को पहाड़ी शरीफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच इंस्पेक्टर सी. जितेंद्र और इंस्पेक्टर पी. गुरुवा रेड्डी ने की। वहीं, पहाड़ी शरीफ पुलिस थाने के थाना प्रभारी निरीक्षक बी. लक्ष्मी नारायण रेड्डी ने मामले की निगरानी की। जांच के दौरान पुलिस ने मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए और उन्हें अदालत के सामने पेश किया। पुलिस के मुताबिक, अदालत में पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध हुआ।

पुलिस के मुताबिक, अदालत ने मोहम्मद मुनव्वर हुसैन को बीएनएस की धारा 351(2) और पोक्सो अधिनियम की धारा 5(एफ)(एल) और 6 के तहत दोषी ठहराया। पोक्सो बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने से जुड़ा कानून है। इस मामले में अदालत ने आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने 25,500 रुपये का जुर्माना लगाया। पीड़ित बच्चे को 2 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया।

मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक कृष्ण प्रसन्ना ने पैरवी की। पुलिस ने बताया कि अदालत के सामने पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया गया। पुलिस के मुताबिक, मामले में जांच अधिकारियों और अभियोजन टीम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पुलिस ने जांच अधिकारियों, अभियोजन टीम और मामले में सहयोग करने वाले अन्य कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की है।

फैसले के बाद पुलिस ने मामले की जांच करने वाले अधिकारियों और अभियोजन पक्ष की टीम के प्रयासों को लेकर जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, इंस्पेक्टर सी. जितेंद्र और इंस्पेक्टर पी. गुरुवा रेड्डी ने मामले की जांच की थी। पहाड़ी शरीफ थाने के थाना प्रभारी निरीक्षक बी. लक्ष्मी नारायण रेड्डी ने जांच की निगरानी की। अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक कृष्ण प्रसन्ना ने अदालत में मामले को प्रस्तुत किया। पुलिस ने कहा कि अदालत में पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्धि हुई।

पुलिस की दी गई जानकारी के अनुसार, मामला उस समय सामने आया जब 13 वर्षीय बच्चे की तबीयत खराब होने के बाद उसे घर लाया गया और चिकित्सकीय जांच कराई गई। 27 दिसंबर को चिकित्सकीय जांच में निजी अंगों में गंभीर संक्रमण मिलने के बाद घटनाक्रम आगे बढ़ा। इसके बाद 1 जनवरी को बच्चे ने अपनी मां को कथित यौन शोषण के बारे में बताया। बच्चे के पिता की शिकायत पर 4 जनवरी को पहाड़ी शरीफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच पूरी होने के बाद मामला अदालत पहुंचा और एससी नंबर 210/2025 के तौर पर इसकी सुनवाई हुई। अब रंगा रेड्डी जिले की फास्ट ट्रैक अदालत ने मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी मदरसा शिक्षक मोहम्मद मुनव्वर हुसैन को उम्रकैद की सजा दी है। अदालत ने जुर्माने के साथ पीड़ित को 2 लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।

नीला ड्रम...

मुस्कान की ओर से अधिवक्ता रेखा जैन ने मामले में बचाव पक्ष रखा। विजय बहादुर के अनुसार, बचाव पक्ष ने आरोपियों द्वारा हत्या किए जाने से ही इनकार किया है। वादी पक्ष ने अपने सभी साक्ष्यों और गवाहों को अदालत के सामने रखा है।

अधिवक्ता ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने ऐसे मामलों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी हवाला देते हुए अधिकतम सजा की मांग की है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम सजा आजीवन कारावास और अधिकतम सजा मृत्युदंड है और उनकी ओर से अधिकतम सजा की मांग की गई है।मुस्कान की बेटी के संबंध में डीएनए जांच की मांग को लेकर अधिवक्ता विजय बहादुर ने कहा कि फिलहाल हत्या का मुकदमा चल रहा है और इस दौरान ऐसी मांग का मुकदमे पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सौरभ के परिवार से उनकी इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बच्ची के संबंध में अदालत ही फैसला करेगी कि सहानुभूति का कोई आधार बनता है या नहीं।

मेरठ जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि अदालत में चल रही कार्यवाही के संबंध में उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि जेल में मुस्कान पहले की तुलना में अधिक धार्मिक गतिविधियों में समय दे रही है। नियमित संध्या और सुंदरकांड के अलावा वह शिव पूजा भी कर रही है। बच्ची के अलावा उसे जो समय मिलता है, उसमें वह पूजा-पाठ करती है। वहीं साहिल अन्य बंदियों से ज्यादा बातचीत नहीं करता और अपने काम में लगा रहता है।अब बुधवार को अदालत के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी हैं। पहले अदालत आरोपियों के दोषी या निर्दोष होने पर निर्णय सुनाएगी और दोष सिद्ध होने की स्थिति में सजा के बिंदु पर आगे सुनवाई होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 30 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना वेस्ट जोन शाखाओं की बैठक आयोजित

महाराजा अग्रसेन जयंती एवं नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना वेस्ट जोन की शाखाओं की बैठक राघवरतन टावर, 10वें फ्लोर स्थित समाज के सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती एवं नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मीडिया प्रचार-प्रसार कमेटी के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आगामी 11 नवंबर को महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती है। इसके उपलक्ष्य में समाज द्वारा शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जयंती एवं डांडिया कार्यक्रम की तैयारियों के लिए जोनवार बैठकें की जा रही हैं। इसी क्रम में वेस्ट जोन शाखा के पदाधिकारियों एवं के.एस. सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई।

सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना कर सभा का शुभारंभ किया गया। वेस्ट जोन के समन्वयकर्ता मुकुंदलाल जी ने मंच संचालन करते हुए केंद्रीय पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया। केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने स्वागत संबोधन देते हुए सभी से आगामी डांडिया कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया।

डांडिया संयोजक प्रवीण अग्रवाल ने सभा में जयंती एवं डांडिया कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम में प्रसिद्ध हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है, जिनमें हेमा मालिनी, गोविंदा, नोरा फतेही, भाग्यश्री आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती के दिन हेमा मालिनी की विशेष प्रस्तुति रहेगी।

उन्होंने यह भी बताया कि डांडिया के नौ दिनों में उत्तम भोजन की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुझाव भी मांगे। उन्होंने बताया कि यह नौ दिवसीय कार्यक्रम अग्रवाल समाज के सदस्यों के लिए पूरी तरह निशुल्क रहेगा। कोई भी सदस्य अपना प्रिविलेज कार्ड दिखाकर कार्यक्रम में प्रवेश कर सकता है। जिन सदस्यों के प्रिविलेज कार्ड नहीं बने हैं, वे शाखा के माध्यम से अथवा सीधे केंद्र में कार्ड बनवा सकते हैं। इसके लिए पूरी टीम कार्य कर रही है।

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन सुरेश जी (चिमनलाल सुरेश कुमार) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि इस जयंती एवं डांडिया कार्यक्रम को सभी अग्रवालों को एकजुट होकर अपनी एकता प्रदर्शित करते हुए सफल बनाना है।

समाज के परामर्शदाता राजेश गोयल एवं सुरेश जी दिल्लीवाले ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज में इतना बड़ा कार्यक्रम पहली बार आयोजित हो रहा है। इसके लिए केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से तन, मन और धन से कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आह्वान किया। सभी जोन के प्रमुख सुरेश टंडन एवं वेस्ट जोन के समन्वयकर्ता मुकुंदलाल जी ने भी सभा में अपने विचार रखे। वेस्ट जोन की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों एवं के.एस. सदस्यों ने भी अपने विचार रखते हुए डांडिया कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न सुझाव दिए।

बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित

आज की सभा में केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, बैंक्वेट हॉल चेयरमैन सुरेश कुमार (चिमनलाल सुरेश कुमार), डांडिया संयोजक प्रवीण अग्रवाल, समाज परामर्शदाता राजेश गोयल, सुरेश दिल्लीवाले, सभी जोन के प्रमुख सुरेश टंडन, वेस्ट जोन समन्वयकर्ता मुकुंदलाल जी, साउथ जोन समन्वयकर्ता अलका मिंदा, सेंट्रल जोन समन्वयकर्ता अजय तुलस्यान, ईस्ट जोन समन्वयकर्ता महेंद्र अग्रवाल, नॉर्थ जोन समन्वयकर्ता सुनील चौखानी, मीडिया कमेटी के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता, वेस्ट जोन की शाखाओं के पदाधिकारी एवं केंद्रीय समिति सदस्य हेमचंद गुप्ता, राजकुमार पसारी, सुनील अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, नवल बंसल, संदीप पटवारी, बासुदेव खेतान, भरत अग्रवाल, के.पी. अग्रवाल, गीता अग्रवाल, रितु गर्ग, संगीता जाजोदिया, पूनम अग्रवाल, काश्लिका अग्रवाल, पायल अग्रवाल, भावना अग्रवाल, जितेंद्र गोयल, कपिल अग्रवाल, संजय गुप्ता, हितेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, रमेश गुप्ता, उदय गुप्ता, उमाशंकर, आशा अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, भरत अग्रवाल और सोनू अग्रवाल उपस्थित रहे। अंत में सहभोज के साथ सभा का समापन हुआ।

अग्रवाल समाज मानसरोवर शाखा ने किया मेगा स्पोर्ट्स कार्निवल का आयोजन

485 से अधिक सदस्यों ने लिया भाग, 215 से अधिक सदस्यों ने तीन खेलों में किया प्रतिस्पर्धा

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मानसरोवर शाखा की ओर से 27 सितंबर 2026 को स्पोर्ट्स विला, तिरुमलगिरि में अग्रवाल समाज तेलंगाना के मेगा स्पोर्ट्स कार्निवल का आयोजन एवं मेज़बानी की गई। इस आयोजन में अग्रवाल समाज के 485 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें से 215 से अधिक सदस्यों ने बैडमिंटन, शतरंज और कैरम इन तीन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की।

मानसरोवर शाखा की टीम में राहुल गोयल, मनीष ड्रोलिया, मुकेश जिंदल, निर्मल अग्रवाल, रोहित जैन, नीरज मोरे, राजेश सर्राफ, सत्यप्रकाश बंसल, अविरल बंसल, हितेश अग्रवाल, गौतम सर्राफ, अरविंद सर्राफ, इशिता ड्रोलिया, प्रीतिका, कल्पना, रिंकू, ममता, मुक्ति, आंचल, वर्षा, स्तुति, निशा और सिद्धि शामिल थे।

श्री पीयूष द्वारा निस्वार्थ स्वयंसेवक सेवा प्रदान की गई।

कार्यक्रम के प्रायोजक मानसरोवर शाखा, अग्रवाल समाज तेलंगाना और सुमित आईएनसी मंगलम रहे। वहीं, श्री अंजनी अग्रवाल, श्री मनीष अग्रवाल, श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल और श्री नवीन अग्रवाल ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज की गणमान्य हस्तियों श्री नरेंद्र गोयल, सीमा जैन, प्रतीक कुमार नरसारिया, राजगोपाल अग्रवाल, सुरेश कुमार टंडन, महेंद्र अग्रवाल, सुनील चोखानी, कपिल गर्ग, दीपक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, पवन अजितसरिया, संदीप अग्रवाल, पंकज सांघवी, शीतल रुंगटा, स्वाति अग्रवाल, एम. आर. सुरेका और संतोष टाटिया ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम सुबह 9 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। पूरे कार्यक्रम के दौरान सदस्यों के लिए उत्तम भोजन एवं पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई थी। विभिन्न खेलों में प्रतिभागियों के बीच अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबले देखने को मिले, जिनमें अग्रवाल समाज के सदस्यों में मौजूद खेल प्रतिभा सामने आई।

मेगा स्पोर्ट्स कार्निवल ने सदस्यों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सम्मान, समाज के प्रति गर्व और मित्रता की भावना को सच्चे अर्थों में उजागर किया। आयोजन ने समाज के सदस्यों को खेलों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

निस्वार्थ सेवा से मिलती है आत्मिक संतुष्टि : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंदों को अन्न वितरित किया।

इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची सेवा है। सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनके जीवन में थोड़ी-सी राहत पहुंचाना अपने आप में बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और संस्कारों को आगे बढ़ाने का एक निरंतर प्रयास है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि समाज में जब लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं, तभी आपसी प्रेम और भाईचारा मजबूत होता है। सेवा कार्य में धन से अधिक महत्वपूर्ण सेवा के प्रति भावना, समय देने का संकल्प और जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता है। उन्होंने सभी सदस्यों से इसी प्रकार मिल-जुलकर सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए अन्न वितरण किया।

नांदेड़ के हिंदी शिक्षकों का नवीकरण पाठ्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के हिंदी शिक्षकों के लिए 28 सितंबर से 10 अक्टूबर तक 502वां नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन समारोह 28 सितंबर को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. डब्ल्यू. माया देवी तथा विशेष अतिथि श्रुतिकांत भारती उपस्थित रहे। प्रो. माया देवी ने शिक्षकों को निरंतर अद्यतन रहने तथा अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। श्रुतिकांत भारती ने विद्यालयों में हिंदी के प्रयोग तथा विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि विकसित करने पर जोर दिया। पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ठुबे ने डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्मार्ट कक्षाओं और ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से हिंदी शिक्षण के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. राधा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री शेख मस्तान वली ने किया।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी पाठवाचन प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह तथा रिफार्म उत्सव की कडी में आज 29 सितंबर, 2026 को हिंदी पाठवाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को हिंदी पाठवाचन हेतु अलग-अलग पाठ प्रदान किए गए। संस्थान में कार्यरत सभी संवर्ग (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, अनुसंधान सहायक, वरिष्ठ शोध अध्येता, युवा पेशेवर आदि) के 16 कार्मिकों ने प्रतियोगिता में बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। डॉ. हरिप्रसन्ना के, प्रधान वैज्ञानिक तथा श्री एच एस गावली, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों की भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

अग्रवाल शिक्षा समिति के एमबीए विभाग में सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस. डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एमबीए विभाग में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग में एमबीए की कुल 120 सीटें हैं और उनके कार्यकाल के दौरान पिछले तीन वर्षों से लगातार शत-प्रतिशत यानी सभी 120 सीटों पर प्रवेश पूर्ण हो रहा है।

उन्होंने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में भी प्रथम वर्ष में प्रवेश की सभी 120 सीटें पूर्ण होने पर विभाग के सभी प्रोफेसरों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस उपलब्धि के लिए विभाग के सभी प्रोफेसरों एवं स्टाफ ने अत्यधिक प्रयास किए।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग सभी कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई कॉलेजों में निर्धारित सीटों की तुलना में काफी कम प्रवेश हुए, जबकि कई कॉलेजों में बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह गईं। ऐसे समय में एमबीए विभाग की सभी 120 सीटों पर प्रवेश पूर्ण होना उल्लेखनीय उपलब्धि है।

कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के सभी प्रोफेसरों एवं स्टाफ को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, प्रिंसिपल डॉ. दल पड़ाल, निदेशिका प्रोफेसर पल्लवी रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर डॉ. पद्मजा, रश्मिता, सत्यजीत सिंह ठाकुर, वेंकटेश, किरण, लाइब्रेरियन सीनू, कार्यालय के वेणुगोपाल, सुनयना तथा अग्रवाल शिक्षा समिति के डॉ. नागराज उपस्थित थे।

हिंदी पखवाड़े में भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत विद्यालय एवं इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 28 सितंबर को श्री एम.वी. पापन्न गुप्ता सभागार में विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता में तकनीकी युग में हिंदी की उपयोगिता विषय पर विद्यार्थियों ने विचार रखे। निलांकर वर्षित चंद्र ने प्रथम, रोशनी साहनी ने द्वितीय, आयुषी सुराना ने तृतीय तथा कोटा श्रेयांश ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

29 सितंबर को इंटरमीडिएट स्तर पर हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ विषय पर प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें तुषार सिंह, अमरीश कुमार, एल. शैलेष तथा बी. महिमा विजेता रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र एवं तेलंगाना के सचिव (प्रभारी) श्री राधाकृष्ण मिरियाला ने की। इस अवसर पर डॉ. साहिरा बानो बोरगल, डॉ. के. चारुलता सहित विभिन्न विभागों के प्रवक्तागण, ग्रंथपाल एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना सिंचाई परियोजनाओं की मंजूरियों के लिए केंद्र से किया अनुरोध

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात कर महाराष्ट्र सरकार को तुम्मीडीहट्टी बैराज के निर्माण के लिए आवश्यक मंजूरियां देने हेतु सहमत करने का आग्रह किया। इसके साथ ही, उन्होंने तेलंगाना की कई सिंचाई परियोजनाओं के लिए पर्यावरण स्वीकृतियों में तेजी लाने की मांग की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने दिल्ली में पाटिल से मुलाकात की और कृष्णा तथा गोदावरी बेसिन में तेलंगाना की परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने तुम्मीडीहट्टी बैराज के लिए महाराष्ट्र द्वारा मांगी गई सभी जानकारियां पहले ही उपलब्ध करा दी हैं। उन्होंने केंद्र से अनुरोध किया कि 152 मीटर के पूर्ण जलाशय स्तर के साथ बैराज के निर्माण के लिए दोनों राज्यों के बीच जल्द से जल्द समझौता कराया जाए।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रस्तावित ऊंचाई पर परियोजना के निर्माण से पानी गुरुत्वाकर्षण (ग्रेविटी) के जरिए येल्लम्पल्ली जलाशय तक ले जाया जा सकेगा, जिससे लिफ्टिंग के लिए बिजली की आवश्यकता कम होगी और जल परिवहन की लागत में भारी कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने पालमुरु-रंगारेड्डी और डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना, सीतारामसागर बहुउद्देश्यीय परियोजना तथा गौरवेल्ली जलाशय के लिए तत्काल पर्यावरण मंजूरी मांगी। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद पर्यावरण मंजूरी के लिए दिशा-निर्देश जारी करने के केंद्र के फैसले का हवाला देते हुए, उन्होंने केंद्रीय मंत्री से परियोजनाओं की स्वीकृतियों में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने रेखांकित किया कि मंजूरियां मिलने में देरी के कारण निर्माण लागत बढ़ रही है।

इसके अलावा, रेवंत रेड्डी ने सम्मक्कासागर परियोजना के लिए केंद्रीय जल आयोग से लंबित मंजूरियों को भी जल्द से जल्द क्लियर करने की मांग की। उन्होंने बताया कि तेलंगाना ने सीडब्ल्यूसी को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सौंप दी है और सिंचाई योजना तथा अंतर-राज्यीय मुद्दों से संबंधित मंजूरियां मांगी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार छत्तीसगढ़ सरकार के साथ बातचीत कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कृष्णा नदी के पानी के उपयोग की निगरानी के लिए कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड के तहत टेलीमेट्री उपकरणों की स्थापना में तेजी लाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पहले चरण के तहत उपकरणों की स्थापना के लिए आवश्यक 4.15 करोड़ की राशि जमा कर चुका है। उन्होंने अनुरोध किया कि पहला चरण जल्द पूरा किया जाए और दूसरे तथा तीसरे चरण के उपकरण भी तेजी से लगाए जाएं।

तेलंगाना विधानसभा प्रवेश विवाद

बीआरएस की महिला विधायकों से 'अभद्रता' करने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान के लिए हाईकोर्ट ने डीजीपी को दिया निर्देश

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना विधानसभा में भारत राष्ट्र समिति के विधायकों और पुलिस के बीच प्रवेश को लेकर हुए विवाद के मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने मंगलवार को अपने अंतरिम आदेश में संशोधन किया। न्यायमूर्ति तंगिराला माधवी देवी ने पहले दिए गए निर्देशों को रद्द करने की मांग वाली राज्य सरकार की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि विधानसभा परिसर के भीतर मर्यादा बनाए रखना और नियमों को लागू करना पूरी तरह से अध्यक्ष (स्पीकर) का विशेषाधिकार है। हालांकि, अदालत ने 7 सितंबर को विधानसभा के प्रवेश द्वार पर हुई झड़प के मामले में पुलिस की जवाबदेही से जुड़े निर्देशों में संशोधन किया।संशोधित आदेश के तहत, हाईकोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को घटना की समीक्षा करने और उन पुलिसकर्मियों की पहचान करने का निर्देश दिया है, जिन्होंने कथित तौर पर महिला विधायकों के साथ दुर्व्यवहार या धक्का-मुक्की की थी।

डीजीपी को इस जांच के निष्कर्ष आगे की कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष को सौंपने होंगे। यदि जांच में यह सामने आता है कि घटना का कोई हिस्सा विधानसभा प्रवेश द्वार के निर्धारित परिसर से बाहर हुआ था, तो डीजीपी को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सीधे हाईकोर्ट में पेश करनी होगी।

यह मामला बीआरएस लेजिस्लेचर पार्टी द्वारा दायर की गई एक रिट याचिका से जुड़ा है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि पुलिस अधिकारियों ने बिना किसी अधिकार के बीआरएस विधायकों को विधानसभा में प्रवेश करने से रोका, उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें शारीरिक चोटें पहुंचाईं।

इससे पहले 7 सितंबर को हाईकोर्ट ने अंतरिम निर्देश जारी करते हुए कहा था कि अधिकारियों को विधायकों को सदन की कार्यवाही में भाग लेने से नहीं रोकना चाहिए। अदालत ने तब कहा था कि आंतरिक नियमों के उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का अधिकार केवल अध्यक्ष के पास है। साथ ही, अदालत ने डीजीपी सी.वी. आनंद को दोषी पुलिसकर्मियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।राज्य सरकार का पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता ने इन निर्देशों को रद्द करने या संशोधित करने की मांग की। उन्होंने याचिका की पोषणीयता पर प्राथमिक आपत्ति जताते हुए तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का दावा करने का किसी राजनीतिक दल को कोई अधिकार नहीं है।मेरिट के आधार पर राज्य सरकार ने कहा कि पुलिस ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्य मार्शल को दिए गए अध्यक्ष के निर्देशों के तहत कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा कि बीआरएस विधायक राजनीतिक नारों वाली काली टी-शर्ट पहनकर विधानसभा में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। संसदीय विशेषाधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए महाधिवक्ता ने कहा कि विधायकों ने विधानसभा बुलेटिन और हैदराबाद सिटी पुलिस एक्ट के तहत लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया था।

दमरे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में 29 सितंबर 2026 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे श्री सत्यप्रकाश, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री राजेश पी. खाडे, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, सिकंदराबाद मंडल एवं हैदराबाद मंडल के प्रतिनिधि तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से बैठक में सहभागिता की।

महाप्रबंधक ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे पर हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद को 'उत्कृष्ट श्रेणी' का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।अपर महाप्रबंधक ने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यों का निष्पादन करें। बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि मुख्यालय के साथ-साथ दक्षिण मध्य रेलवे के विभिन्न मंडलों एवं कारखानों में भी हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे की हिंदी ई-पत्रिका 'रेल सुधा' का विमोचन महाप्रबंधक के करकमलों से किया गया। इसके बाद दक्षिण मध्य रेलवे में हिंदी में अधिकाधिक एवं प्रशंसनीय कार्य करने वाले 9 अधिकारियों एवं 11 कर्मचारियों को 'महाप्रबंधक पुरस्कार' योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर अधिकारियों के लिए हिंदी गीत अंताक्षरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।श्री एम.के. नागराजु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की तथा पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों एवं कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आगामी तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

एसडीएम आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों का शैक्षणिक दौरा

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डीअन्नाराम, हैदराबाद में कर्नाटक के हासन स्थित श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर (एसडीएम) आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल के प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के लिए शैक्षणिक एवं अनुसंधान दौरे का आयोजन किया गया। प्रोफेसर डॉ. हारून इरशाद के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में संकाय सदस्यों एवं छात्रों सहित करीब 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान की प्रभारी डॉ. वी. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी-आयुर्वेद) ने संस्थान एवं नमस्ते, सही, अमर, ई-मेधा और आरएमआईएस जैसे ऑनलाइन पोर्टलों की जानकारी दी। डॉ. एस. संतोष माने ने छात्रों को चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, अष्टांग संग्रह, माधवनिदानम, भावप्रकाश और बसवराजीयम जैसे प्राचीन ग्रंथों के बारे में जानकारी दी।

छात्रों ने संस्थान के पुस्तकालय, संग्रहालय एवं औषधीय पौधों के बगीचे का भ्रमण किया। इस दौरान डॉ. अक्षय, डॉ. अर्पित, पुस्तकालय अध्यक्ष के. श्रीनिवास राव और वर्षा कुमारी ने दुर्लभ पांडुलिपियों, प्राचीन चिकित्सा पुस्तकों एवं ऐतिहासिक उपचार पद्धतियों की जानकारी दी। अवसर पर डॉ. बिस्वो रंजन दास, डॉ. अशफाक अहमद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंचेरियाल ऑटो हादसे में एक और युवती की मौत

नसपुर में लॉरी-ऑटो की टक्कर में मृतकों की संख्या पांच हुई

मंचेरियाल, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल कॉरपोरेशन के नसपुर में सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में घायल एक और युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल दिव्यवाणी का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। मंगलवार को हालत बिगड़ने पर उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत के बाद इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है।

बताया गया है कि सोमवार को नसपुर गेट के पास ऑटो और लॉरी की टक्कर में कई महिलाएं गंभीर रूप से घायल हुई थीं। हादसे में पहले ही चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। अब दिव्यवाणी की मौत के बाद मृतकों की संख्या पांच हो गई है। ऑटो चालक समेत दो अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे को लेकर पुलिस जांच कर रही है। काम के लिए जा रहे इन लोगों के साथ हुई इस दुर्घटना के बाद संबंधित परिवारों में शोक का माहौल है।मंचेरियाल में सोमवार को ट्रक और ऑटो की टक्कर के बाद मंगलवार को पुलिस के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मंचेरियाल ट्रैफिक इंस्पेक्टर हन्नान के नेतृत्व में रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के मंचेरियाल जोन में सड़क हादसों की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों और ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने श्रीरामपुर जीएम कार्यालय से मंचेरियाल शहर के फ्लाईओवर तक विभिन्न दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया।

इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में बार-बार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा एवं बचाव उपायों, यातायात नियंत्रण व्यवस्था और इंजीनियरिंग कार्यों को लेकर अधिकारियों ने चर्चा की। मौके पर सड़क की स्थिति, यातायात व्यवस्था और दुर्घटनाओं के संभावित कारणों का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मंचेरियाल एएमवीआई सूर्यतेज, नगर पालिका एई, मंचेरियाल दुर्गम मधु, कानून-व्यवस्था उपनिरीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान, वैज्ञानिक तरीके से इंजीनियरिंग उपायों का क्रियान्वयन और प्रभावी यातायात सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस विभाग विशेष ध्यान दे रहा है।

सेवा में ही सच्चा संतोष : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा समाज को जोड़ने के साथ-साथ मन को भी संतोष प्रदान करती है। जरूरतमंदों की सेवा करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है और इसे निरंतर आगे बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा मानव सेवा का एक सुंदर उदाहरण है। सेवा कार्य में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जब सभी लोग मिलकर सेवा के कार्य में सहभागी बनते हैं, तो समाज में सहयोग, अपनापन और संस्कार की भावना मजबूत होती है।

पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि सेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल अन्न वितरित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति के प्रति संवेदना और अपनत्व का भाव रखना है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, प्रवीण विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मुस्लिम समुदाय के बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के तत्वावधान में मंगलवार को हैदराबाद स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित सदस्यता कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय के बड़ी संख्या में लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह और भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र से प्रेरणा लेकर समाज के सभी वर्ग भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन तेलंगाना में सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है।

एन. रामचंदर राव ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा सभी समुदायों को साथ लेकर तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण और सेवा का मार्ग चुनने के लिए सभी का अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ समाज के हर वर्ग के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक उपस्थित रहे। नए सदस्यों ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा जनता की सेवा करने का संकल्प लिया।

नंदिगमा महिला हत्याकांड का पुलिस ने किया पर्दाफाश

दो आरोपी गिरफ्तार; 28 ग्राम सोने का आभूषण, ऑटो व अन्य महत्वपूर्ण सबूत बरामद

फ्यूचर सिटी/नंदिगमा, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फ्यूचर सिटी पुलिस ने श्रीमती कुम्मारी मंगम्मा (48) की हत्या के मामले का पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई जांच में आरोपियों की पहचान ए-1 इस्लावत चंद्रबाबू (28), ऑटो चालक तथा ए-2 पटलावत महेंद्र (21) के रूप में हुई। दोनों आरोपी महबूबनगर जिले के बालानगर मंडल के निवासी हैं।

मंगम्मा 22 सितंबर 2026 को लापता हो गई थीं। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया। आरोप है कि उन्होंने मंगम्मा को नंदिगमा के एक सुनसान स्थान पर ले जाकर उनकी हत्या कर दी और उनके सोने के आभूषण तथा मोबाइल फोन छीन लिए। 28 ग्राम वजन का सोने का पुस्तेलथाडू बाद में बालानगर स्थित मुथूट फाइनेंस में करीब एक लाख रुपये में गिरवी रख दिया गया।

साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 29 सितंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 28 ग्राम सोने का आभूषण, पीड़िता का मोबाइल फोन, आईक्यूओओ फोन, मुथूट फाइनेंस की गिरवी रसीद, टीजी 06 टी 8887 नंबर का ऑटो, बीयर की बोतल के टुकड़े तथा 300 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस मामले में नंदिगमा पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 281/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 70(1), 303(2) सहपठित 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। शादनगर जोन की डीसीपी श्रीमती छ. सिरीषा ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग कर आरोपियों का पता लगाया गया और मामले का पर्दाफाश किया गया।

वीआरके डाइट पर भ्रामक मेडिकल सलाह देने का आरोप: तेलंगाना के डॉक्टरों ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

हैदराबाद: सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रामक जानकारी और अनधिकृत चिकित्सा सलाह का मुद्दा अब अदालत की चौखट तक पहुंच गया है। तेलंगाना के हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन और पांच अन्य डॉक्टरों ने वीरमचिनेनी राम कृष्णा के खिलाफ सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद में एक सिविल याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उनका ऑनलाइन कंटेंट अनधिकृत चिकित्सा सलाह देता है, भ्रामक जानकारी फैलाता है और एलोपैथिक डॉक्टरों को निशाना बनाता है।

एचआरडीए के अनुसार, अदालत ने चिन्हित विवादित सामग्री के प्रकाशन और प्रसारण पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया है। एसोसिएशन ने कहा कि इस कानूनी कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं पर लगाम लगाना और एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति को नीचा दिखाने वाले कंटेंट पर रोक लगाना है। यह याचिका 23 सितंबर को दायर की गई थी।इस मामले में व्यक्तिगत डॉक्टरों के साथ-साथ एसोसिएशन ने एकजुट होकर आवाज उठाई है। एचआरडीए के अलावा डॉ. अनिल कुमार मुथिनेनी, डॉ. अभिनव थंद्रा, डॉ. अदेपु राहुल, डॉ. ए. प्रताप गौड़ और डॉ. ए. उमा गौरी गड्डा याचिकाकर्ताओं के रूप में शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.